www.tamsasanket.com
वर्षः 05 || अंक 353 || लखनऊ
सोमवार
30 मार्च 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक
तमसा संकेत
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदय: 06:00
सूर्यास्त: 06:22
अधिकतम: 36°00
न्यूनतम: 24°00

पेज 03

विशेष समाचार >> पेज 02 | नोएडा एयरपोर्ट का उद्घाटन बेचने के ... >> पेज 04 | धुरंधर 2 बनी 6वीं सबसे ज्यादा ...

गाड़ी में पेट्रोल है, तो लाइन क्यों लगाना : योगी

लोग लॉकडाउन की अफवाह फैला रहे, लखनऊ में जॉइनिंग लेटर बांटे

लखनऊ। सीएम योगी ने डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के चयनित नर्सिंग अधिकारियों को जॉइनिंग लेटर बांटे। रविवार को यह कार्यक्रम लखनऊ के लोकभवन में हुआ। कुल 665 नर्सिंग अधिकारियों का चयन किया गया। इनमें 345 पुरुष एवं 320 महिला अभ्यर्थी हैं। सीएम योगी ने 20 अभ्यर्थियों को सीधे जॉइनिंग लेटर सौंपे। बाकी अभ्यर्थियों को ऑनलाइन जॉइनिंग लेटर भेजे जाएंगे। योगी ने कहा कि पारदर्शी नियुक्ति प्रक्रिया के परिणाम सबके सामने होते हैं। हमने 9 लाख अभ्यर्थियों को सरकारी नौकरी दी। चयन प्रकिया पर विरोधी भी सवाल नहीं उठा सकता। नियुक्ति पारदर्शी होने से ही इसमें कोर्ट का भी दखल नहीं है। योगी ने कहा- दुनिया संकट में है, उथल-पुथल और संशय का माहौल है। तमाम देशों ने काम के घंटे कम कर दिए हैं। अमेरिका में भी पेट्रोल के दाम आसमान छू रहे। हमारे पड़ोसी देशों की भी हालत खराब है। लेकिन, भारत बिना रुके चल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेट्रोल-डीजल की एक्साइज ड्यूटी कम की है। इसका फायदा सभी वर्गों को मिल रहा। मोदी को रोकने के लिए किस तरह निम्न स्तर के प्रयास हो रहे हैं? क्या-क्या अफवाह फैलाई जा रही है? कह रहे हैं कि लॉकडाउन लग जाएगा, सिलेंडर में गैस कम कर रहे हैं। हमारा कर्तव्य है कि सिलेंडर 25 दिन चलना है, तो 5वें दिन क्यों लाइन में खड़े हो रहे हैं? जब पेट्रोल गाड़ी में पूरा है, तो फिर लाइन में में क्यों लग रहे हैं? इन अफवाहबाजों से सावधान और सतर्क रहना होगा। जब देश की लीडरशिप आपके साथ है, तो क्यों चिंता कर रहे हैं? जनता ने उन्हें सरकार से बेदखल कर दिया, अब वे अफवाह फैला रहे हैं। अफवाह फैलाना भी राष्ट्रद्रोह है। लोहिया अस्पताल के निदेशक डॉ. सीएम सिंह ने बताया- 42280 आवेदन आए थे। 14 राज्यों के 34 शहरों में परीक्षा कराई गई थी। इनमें से 665 का सिलेक्शन हुआ। चिकित्सा शिक्षा विभाग के राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह ने कहा कि लोहिया संस्थान पीजीआई के बाद सबसे बड़ा है।

इन अभ्यर्थियों को योगी ने जॉइनिंग लेटर दिए

सीएम योगी के हाथों जॉइनिंग लेटर पाने वालों में प्रियंका सिंह, मनीष कुमार, लक्ष्मण राम चौधरी, मोहम्मद आलम, तनु, संध्या जोशी, देवराज गुर्जर, देवेश कुमार, जय प्रकाश सिंह, धर्मेंद्र काजला, कुमारी अनामिका यादव, दीप्ति देवी, प्रतिमा कश्यप, आकांक्षा, ऋषि राज गौतम, आराध्या सिंह, प्रियंका चौधरी, विवेक कुमार गोंड, संध्या सिंह और शरिमा सिद्दीकी शामिल हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, इन नियुक्तियों से प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में नर्सिंग स्टाफ बढ़ेगा। इससे मरीजों को इलाज में सहूलियत मिलेगी। सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार होगा।

"सीएम ने कहा- जीरो टॉलरेंस सिर्फ अपराध और अपराधियों के प्रति ही नहीं है। जीरो टॉलरेंस करप्शन के प्रति भी है। जीरो करप्शन के लक्ष्य को लेकर सरकार पहले दिन से चल रही है। इसी का नतीजा है कि हर हफ्ते हम किसी न किसी नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम से जुड़ते हैं।"

जेवर एयरपोर्ट से 1 लाख को रोजगार मिलेगा

सीएम ने कहा- यूपी में कल सबसे बड़ा एयरपोर्ट बनाया है। हमारा राज्य सबसे बड़ा है, तो हम काम भी सबसे बड़ा करेंगे। एक लाख युवाओं को रोजगार मिलेगा। जेवर पहले प्रदेश का सबसे बड़ा अपराध का केंद्र था। शाम को वहां से कोई गुजरता नहीं था। आज उसे निवेश का सबसे बड़ा केंद्र बनाया है। वहां फिल्म सिटी बन रही। सेमीकंडटर यूनिट का शिलान्यास भी उसके पास हुआ है।

लोकभवन में जॉइनिंग लेटर बांटते सीएम योगी। कुल 665 नर्सिंग अधिकारियों का चयन किया गया है।

गड़बड़ी करने वालों की क्या हालत करते हैं, किसी से छिपा नहीं

योगी ने कहा- 2017 से पहले ज्यादातर भर्ती बाधित थी। यूपी को 9 लाख मैनपावर मिलने से बीमारू राज्य को देश का ग्रोथ इंजन बना दिया। जिस राज्य के पास वेतन देने तक के पैसे नहीं होते थे, अब रेवेन्यू सरप्लस स्टेट है। आज हमारी प्रति व्यक्ति आय तीन गुना है। भर्ती परीक्षा में किसी तरह का दखल भी नहीं है। हर हफ्ते नियुक्ति पत्र वितरित किया जाता है। भर्ती आयोग पर शासन की तीसरी नजर रहती है। कहीं कोई गड़बड़ी नहीं करे। कोई युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करे।

"सीएम ने कहा- मुख्यमंत्री रहते हुए अखिलेश नोएडा नहीं गए, लेकिन विभाजनकारी राजनीति के लिए आज नोएडा पहुंच गए। जेपीएनआईसी बिल्डिंग जय प्रकाश नारायण के नाम पर बनाई। उसका डीपीआर 200 करोड़ था, लेकिन उसमें 800 करोड़ खर्च हो गया। अभी भी अधूरी है। यह सपा का विकास का मॉडल है। ये किस मुंह से विकास की बात करते हैं, इनको शर्म भी नहीं आती। एक समय तेल के बिना जनता लाचार हो जाती थी, अब सेमीकंडक्टर के बिना लाचार हो जाती है। शरीमा सिद्दीकी ने कहा- चयन बहुत पारदर्शी हुआ है। मै आर्मी से हूं। मैं यूपी में सेटल नहीं होना चाहती थी, क्योंकि यहां की बहुत गलत तस्वीर बनी थी।"

अखिलेश मुख्यमंत्री रहते नोएडा नहीं गए, आज पहुंच गए

गोमती रिवर फ्रंट में 300 करोड़ का डीपीआर था, 1400 करोड़ खर्च हो गया। फिर भी अधूरा पड़ा है। यह जनता की गाढ़ी कमाई पर डकैती है। नौकरी निकलते ही वसूली पर निकल पड़ते थे। आज अमेठी की यादव बेटी का भी चयन हुआ है। लेकिन, उसका 2017 से पहले चयन नहीं हो सकता था। क्योंकि, उसके घरवाले पैसा नहीं दे सकते थे। मैंने कह रखा है कि अगर कहीं गलती हुई तो ऐसी हालत करूंगा जो नजीर बन जाएगा। जेवर एयरपोर्ट से भैया को दर्द हो गया। बयानबाजी कर रहे हैं।

डिप्टी सीएम बोले- जेवर एयरपोर्ट से भैया को दर्द हो गया

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि आप सभी एक बड़े संस्थान से जुड़ रहे हैं। यूपी कैसे बदलाव लाया? यहां 2017 पहले क्या हालत थे? क्या हमारी बेटी शाम को सुरक्षित बाहर जा सकती थी? नौकरी भी भैया-भतीजे की पर्ची पर लगती थी।नौकरी के लिए इटावा से सैफई तक भैया-भतीजे के चक्कर लगाने पड़ते थे। नौकरी के लिए माता-पिता को गहने और खेत तक बेचने पड़ते थे। अब किसी से चवन्नी भी किसी ने नहीं मांगी। मैंने तो निदेशक से पूछा भी नहीं कि एग्जाम कब हो रहा है? कौन-सी एजेंसी है, क्योंकि जो पूछेगा तो वह जेल जाएगा। आगरा में 7 साल की बेटी से दुराचार करने वाले की पुलिस ने क्या हालात की, यह आपके वोट की ताकत है। आपको जनता को बताना है कि यूपी में कमल है, भाजपा है और सीएम योगी हैं। तभी प्रदेश सुरक्षित है। यूपी आज सुरक्षित हाथ में है, योगीजी के हाथ में है। यह सफेद कोट शांति का प्रतीक है। जेवर एयरपोर्ट से भैया को दर्द हो गया। बयानबाजी कर रहे हैं, जबकि यूपी में रहने वाला हर कोई व्यक्ति गर्व कर रहा है।

वाराणसी की दालमंडी में 30 मकान तोड़े गए

छेनी-हथौड़ी और बुलडोजर चला, 150 पुलिसकर्मी तैनात

दाल मंडी में मजदूर छेनी-हथौड़ी से मकान तोड़ रहे हैं। कानून व्यवस्था संभालने के लिए 150 से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात हैं। पुलिस ने बैरिकेडिंग कर गली में आवाजाही रोक दी है।

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी की दालमंडी में रविवार को 30 मकानों को तोड़ा गया। मजदूरों ने छेनी-हथौड़ी और बुलडोजर से मकानों को ढहाया। सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक चली प्रशासन की कार्रवाई में 150 से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात रहे। पुलिस ने बैरिकेडिंग कर ड्रोन कैमरों से निगरानी की। प्रशासन के मुताबिक, तोड़े गए सभी मकानों की रजिस्ट्री करवा ली गई है। हिस्सेदारों के अकाउंट में पैसे ट्रांसफर कर दिए गए हैं। ईद को लेकर कार्रवाई रोकी गई थी। इससे पहले भी 22 जर्जर मकान तोड़े जा चुके हैं। दरअसल, दालमंडी गली को मॉडल सड़क के रूप में विकसित किया जाना है।

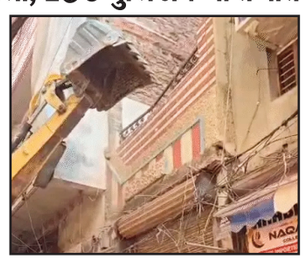

ट्रम्प के खिलाफ 80 लाख लोगों का मार्च

3,300 जगह प्रदर्शन, ईरान वॉर और महंगाई को लेकर पद से हटाने की मांग

तमसा संकेत, एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका में शनिवार को राष्ट्रपति ट्रम्प के खिलाफ हुए 'नो किंग्स रैली' में 80 लाख लोगों ने हिस्सा लिया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पूरे अमेरिका के सभी 50 राज्यों में 3,300 से ज्यादा जगहों पर ये प्रदर्शन आयोजित किए गए। आयोजकों ने बताया कि अक्टूबर में हुए पिछले नो किंग्स प्रदर्शनों की तुलना में इस बार करीब 10 लाख ज्यादा लोग शामिल हुए और लगभग 600 ज्यादा कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना है कि वे ट्रम्प सरकार की कई नीतियों से नाराज हैं। उनका गुस्सा खास तौर पर ईरान के साथ बढ़ते तनाव, सख्त इमिग्रेशन कार्रवाई और बढ़ती महंगाई को लेकर है।

अमेरिका के लॉस एंजिलिस में प्रदर्शनकारी मार्च करते हुए। उन्होंने राष्ट्रपति ट्रम्प की नीतियों के खिलाफ विरोध जताया।

>> (शेष पेज 04 पर)

फास्ट न्यूज

इंडिगो फ्लाइट का इंजन फेल, दिल्ली में इमरजेंसी लैंडिंग

नई दिल्ली। विशाखापट्टनम से दिल्ली आ रही इंडिगो की फ्लाइट 6E 579 की शनिवार सुबह दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर इंजन बंद होने की वजह से इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। फ्लाइट में 160 यात्री सवार थे। विमान की सुरक्षित लैंडिंग के लिए एयरपोर्ट के रनवे 28 पर 'फुल इमरजेंसी' लागू की गई थी।

पंजाब- बरनाला में जैक से उठाई जा रही बिल्डिंग गिरी

बरनाला। बरनाला में आज (रविवार) सुबह एक मकान गिरने से 3 लोग उसके मलबे में दब गए। इससे तीनों लोगों की मौत हो गई। ये तीनों मकान में अंदर सोए हुए थे। इन्हें मलबे से निकालकर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने इनकी मौत की पुष्टि की। मलबा हटाने के लिए जिला और पुलिस प्रशासन की टीमें पहुंची थीं। उन्होंने जेसीबी मशीनों की मदद से मलबा हटवाया। अधिकारियों ने 3 शव बरामद होने के बाद भी कई घंटे तक जेसीबी चलवाई, ताकि यदि कोई और भी मलबे में दबा हो तो उसे भी निकाला जा सके। बताया जा रहा है कि मकान की नींव धंस जाने के बाद उसे जैक से ऊपर उठाने का काम चल रहा था।

पंजाब के मलेरकोटला में 2 आतंकी गिरफ्तार

मलेरकोटला। पंजाब के मलेरकोटला से पंजाब पुलिस और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई में दो संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार आरोपियों की पहचान अब्बू गाबा और उस्मान के रूप में हुई है। इन्हें शेरवानी कोटे गांव से शनिवार को गिरफ्तार किया गया जहां वे पिछले कई वर्षों से किरायेदार के रूप में रह रहे थे।

होर्मुज संकट के बीच भारत को बड़ी राहत

दो और एलपीजी टैंकर खाड़ी से रवाना

जानकारी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। होर्मुज जलडमरूमध्य में युद्ध जैसे हालात के बीच भारत के लिए राहत की खबर आई है। देश के दो और एलपीजी टैंकर सुरक्षित रास्ता पार कर भारत की ओर बढ़ रहे हैं। ये टैंकर देश की एक दिन की रसोई गैस की जरूरत पूरी करने जितनी गैस लेकर आ रहे हैं। इसी बीच सरकार ने भी साफ कहा है कि देश में गैस और ईंधन की कमी नहीं है और लोगों को घबराकर खरीदारी नहीं करनी चाहिए। सरकारी जानकारी के मुताबिक, बीडब्ल्यू टीवाईआर और बीडब्ल्यू ईएलएम नाम के

दो एलपीजी जहाज करीब 94 हजार टन गैस लेकर होर्मुज पार कर चुके हैं। बीडब्ल्यू टीवाईआर 31 मार्च तक मुंबई पहुंचेगा, जबकि बीडब्ल्यू ईएलएम अप्रैल तक न्यू मैंगलोर पहुंचेगा। इस्राइल और अमेरिका के हमलों और ईरान की जवाबी कार्रवाई के कारण इस रास्ते पर जहाजों की आवाजाही लगभग रुक गई थी।

>> (शेष पेज 04 पर)

284 सीटों पर उतारे उम्मीदवार, लोकसभा चुनाव हारे अधीर रंजन को बहरामपुर से टिकट

बंगाल में कांग्रेस का ऐलान-ए-जंग

तमसा संकेत, एजेंसी

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के लिए कांग्रेस ने अपने उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी है. मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ भवानीपुर सीट पर प्रदीप प्रसाद को उतारकर कांग्रेस ने कड़ा मुकाबला पेश करने की कोशिश की है, जबकि पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी खुद चुनावी मैदान में उतरकर पार्टी की वापसी की कमान संभालेंगे. चौधरी बहरामपुर से चुनाव लड़ेंगे. पूर्व सांसद मौसम नूर मालतीपुर से चुनाव लड़ेंगी. कांग्रेस राज्य की 294 विधानसभा सीटों पर अकेले चुनाव लड़ रही है. पार्टी ने एक ही बार में 284 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी. कांग्रेस ने दार्जिलिंग से माधव राय, सुजापुर से अब्दुल हन्नान, दमदम से सुष्मिता बिस्वास, डायमंड हार्बर

से गौतम भट्टाचार्य, आसनसोल दक्षिण से सौविक मुखर्जी और आसनसोल उत्तर से प्रसेनजीत पुइतांडी को भी मैदान में उतारा इससे पहले कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी के उम्मीदवारों के चयन को लेकर शनिवार को विस्तृत चर्चा की. प्रदेश में कांग्रेस इस बार सभी 294 सीट पर अकेले चुनाव लड़ रही है.

सभी सीटों पर अकेले चुनाव लड़ेगी कांग्रेस

बैठक के बाद कांग्रेस के पश्चिम बंगाल प्रभारी गुलाम अहमद मीर ने कहा, 'आज सीईसी की बैठक हुई. सभी सीटों पर उम्मीदवारों को लेकर चर्चा की गई. आठ को छोड़कर सभी उम्मीदवारों की घोषणा आज रात या कल सुबह तक की जाएगी.' मीर ने कहा कि पार्टी को 294 विधानसभा सीटों के लिए 2,500 आवेदन मिले हैं. उनका कहना था, 'हम पश्चिम बंगाल में सभी 294 विधानसभा सीट पर चुनाव लड़ेंगे, कोई भी सीट खाली नहीं रहेगी. यह शुरू से ही राज्य में हमारे नेताओं और कार्यकर्ताओं की इच्छा थी.' भवानीपुर के लिए कांग्रेस उम्मीदवार को लेकर मीर ने कहा कि पार्टी प्रत्येक कार्यकर्ता को एक बड़े नेता के रूप में देखती है. इस सीट पर तृणमूल कांग्रेस प्रमुख और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी चुनाव लड़ती हैं. मोदी ने कहा कि कांग्रेस के नेता पलक्कड़ के लोगों के लिए खतरा बन गए हैं। कल महिलाओं के शोषण के गंभीर आरोपों के चलते कांग्रेस को उन्हें पार्टी से निकालना पड़ा। इस वजह से महिलाओं को सावधान रहना चाहिए।

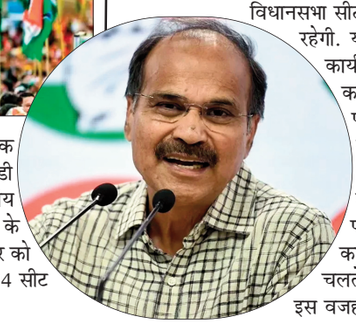

"पीएम ने कहा- कांग्रेस नेताओं ने महिलाओं की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। कल ही, पार्टी ने एक और नेता को एक महिला के शोषण के आरोप में निकाल दिया। इससे इन पार्टियों के बारे में एक अजीब सच्चाई सामने आती है। एक ऐसी सच्चाई जिससे केरल की महिलाओं को अच्छी तरह वाकिफ होना चाहिए। आजकल, कम्युनिस्ट और कांग्रेस दोनों ने नए प्रोपेगैंडा कैंपेन शुरू किए हैं।"

कांग्रेस ने जारी की 284 उम्मीदवारों की सूची

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने अपने उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। पार्टी ने राज्य की कुल 294 सीटों में से 284 सीटों पर प्रत्याशियों का एलान किया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी को बहरामपुर विधानसभा सीट से उम्मीदवार बनाया गया है। वहीं, मौसम नूर को मालतीपुर विधानसभा क्षेत्र से टिकट दिया गया है। भवानीपुर सीट से कांग्रेस ने ममता बनर्जी के खिलाफ प्रदीप प्रसाद को मैदान में उतारा है। हेमताबाद से अनामिका राय को, जंगीपुर से मोहम्मद इमरान अली को, तूफानगंज से देबेंद्रनाथ को और दिनहाटा से हरिहर राय को उम्मीदवार बनाया है। पश्चिम बंगाल चुनाव के लिए कांग्रेस ने अपनी पहली सूची रविवार शाम को जारी कर दी। कांग्रेस ने अधीर रंजन चौधरी को बहरामपुर से प्रत्याशी घोषित किया है, वहीं सीएम ममता के खिलाफ प्रदीप प्रसाद को टिकट दिया है।

विवाद : सांसद बोले- पुलिस ने हटवाया, बालियान बात करेंगे...नहीं तो योगी को हटवा देंगे

प्रतिमा से जाट शब्द हटाने पर हंगामा

महाराज सूरजमल की प्रतिमा की फाउंडेशन वॉल से जाट शब्द हटने को लेकर लोग विरोध प्रदर्शन करने लगे।

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। मेरठ में सूरजमल की प्रतिमा अनावरण समारोह में हंगामा हो गया। महाराज सूरजमल की प्रतिमा की फाउंडेशन वॉल से जाट शब्द हटाने पर लोग भड़क गए। बिरादरी के लोग धरने पर बैठकर हंगामा करने लगे। मौके पर एसडीएम सरधना उदित नारायण पहुंचे। उन्होंने 10 दिन का समय मांगा। एसडीएम ने कहा कि जाट शब्द वाली प्लेट कहीं खो गई। उसे खोजकर 10 दिनों में लगा दी जाएगी। इस पर अंतरराष्ट्रीय जाट संसद के संस्थापक ने प्रशासन को 15 दिन का समय दिया। कहा- अगर 15 दिन में जाट शब्द नहीं लगा तो 16वें दिन पंचायत होगी। इसके बाद धरना खत्म कर दिया गया। इस दौरान करीब 45 मिनट तक धरना प्रदर्शन होता रहा। वहीं इस मामले पर नागौर सांसद हनुमान बेनिवाल ने सीएम योगी पर निशाना साधा। उन्होंने मंच से कहा- पुलिस ने जाट शब्द हटा दिया। वो तो बालियान जी अपने आप बात करेंगे, नहीं तो आपके योगी जी को ही हटवा देंगे।

>> (शेष पेज 04 पर)

जाट समाज ने प्रशासन को 15 दिन का समय दिया

अंतरराष्ट्रीय जाट संसद के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनु चौधरी का कहना है कि जाट शब्द को लेकर जो यहां धरना चल रहा था। अब वह खत्म हो गया है। क्योंकि प्रशासन ने कागजी कार्रवाई के लिए ने 10 दिन का समय मांगा है। लेकिन हमने उन्हें 15 दिन का समय दिया है।

अगर 15 दिन बाद प्रशासन ने मूर्ति के पास जाट शब्द नहीं लिखवाया तो हम 16वें दिन इसी स्थान पर एक पंचायत करेंगे।

जाट संसद के संस्थापक रामअवतार पलसानिया ने कहा कि प्रशासन द्वारा लगातार इस कार्यक्रम को विफल बनाने के लिए प्रयास किया गया। उसमें चाहे परमिशन की बात हो या इस जाट शब्द को लेकर विवाद।

"लोगों का कहना है कि पुलिस-प्रशासन जान बूझकर हमारे समाज को नकार रहा है। हमारे महाराजा श्री का अपमान किया जा रहा है। इसलिए इरादतन प्रतिमा के नीचे जो जाट शब्द लिखा था, उसको रातों-रात हट-वाया गया।"

नेपाल सरकार ने छात्र राजनीति पर रोक लगाई

स्कूलों और कॉलेजों को अपने विदेशी नाम बदलने होंगे

आदेश

तमसा संकेत, एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में प्रधानमंत्री बालेन शाह की सरकार ने छात्र राजनीति पर पूरी तरह रोक लगा दी है। इसके साथ ही कक्षा 5 तक के बच्चों के लिए पारंपरिक परीक्षाएं भी खत्म कर दी गई हैं और स्कूलों-कॉलेजों को अपने विदेशी नाम बदलकर नेपाली में रखने का आदेश दिया गया है। सरकार ने शनिवार रात को जारी आदेश में कहा कि यह सभी फैसले अपने 100 दिन के एक्शन प्लान के तहत लिए हैं, जिसका मकसद शिक्षा को राजनीति से दूर रखना और इसे बेहतर बनाना है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अब स्कूल और कॉलेजों में किसी भी तरह की राजनीतिक गतिविधि नहीं होगी। सभी राजनीतिक पार्टियों से जुड़े छात्र संगठनों को 60 दिनों के अंदर अपने दफ्तर कॉलेज कैंपस से हटाने होंगे।

नेपाल में पिछले साल हजारों शिक्षकों ने स्कूलों का कंट्रोल लोकल लेवल पर देने का विरोध किया था।

>> (शेष पेज 04 पर)

सम्पादकीय

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पहले चरण का उद्घाटन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पहले चरण का उद्घाटन करते हुए इसे उचित ही भारत की नई ऊर्जा का प्रतीक कहा। इस एयरपोर्ट की आवश्यकता केवल इसलिए नहीं बढ़ गई थी, क्योंकि दिल्ली के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दबाव बहुत बढ़ गया था। इसकी आवश्यकता इसलिए भी थी ताकि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की कनेक्टिविटी को बल दिया जा सके। एयरपोर्ट महज आवागमन की सुविधा भर नहीं होते, वे प्रगति को नए पंख भी प्रदान करते हैं। यह एयरपोर्ट एनसीआर के साथ ही उत्तर प्रदेश के एक बड़े क्षेत्र के लिए उपलब्धि भी है और अवसर भी। इसके भरे-पूरे आसार दिख रहे हैं कि नोएडा एयरपोर्ट इस क्षेत्र के विकास को नई गति प्रदान करने के साथ ही यहां के युवाओं एवं कारोबारियों को तरक्की के नए अवसर भी प्रदान करेगा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के साथ उत्तर प्रदेश पांच अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों वाला देश का पहला राज्य बन गया है। निःसंदेह यह भी उत्तर प्रदेश के लिए एक उपलब्धि है। इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि पिछले कुछ समय से देश में हवाई अड्डों की संख्या तेजी के साथ बढ़ी है। आज से 15 साल पहले देश में लगभग 75 एयरपोर्ट थे, आज उनकी संख्या 160 से अधिक हो चुकी है। इसका सीधा अर्थ है कि देश प्रगति कर रहा है और हवाई संपर्क नए-नए क्षेत्रों तक पहुंच रहा है। आज के युग में यह धारणा सही नहीं कि हवाई यात्रा सिर्फ धनी वर्ग के लिए ही संभव है। वास्तव में अब यह आम आदमी की भी जरूरत बन गई है। इसमें संदेह नहीं कि देश में हवाई यात्रा सुविधा का विस्तार हो रहा है, लेकिन अभी उड्डयन क्षेत्र में काफी कुछ करने की आवश्यकता है। इसका संकेत प्रधानमंत्री के इस कथन से मिलता है कि अभी अपने देश में हवाई जहाजों की सर्विसिंग की पर्याप्त सुविधाएं नहीं हैं। यह आश्चर्यजनक है कि आज भी 85 प्रतिशत हवाई जहाजों को सर्विसिंग के लिए विदेश भेजना पड़ता है। यह अच्छा हुआ कि नोएडा एयरपोर्ट के उद्घाटन के अवसर पर एमआरओ (मेंटेनेंस, रिपेयर, ओवरहाल) सुविधा का भी उद्घाटन हुआ। यह सुविधा देश के अन्य हवाई अड्डों पर भी उपलब्ध कराई जानी चाहिए। इसी के साथ इस पर भी सभी राजनीतिक दलों को आत्मचिंतन करना चाहिए कि आखिर बुनियादी ढांचे और नागरिक सुविधाओं से जुड़ी परियोजनाओं की परिकल्पना एवं उनके क्रियान्वयन में इतना अंतर क्यों हो जाता है? नोएडा में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की स्थापना का प्रस्ताव 2001 में राजनाथ सिंह ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के तौर पर किया था। इसके बाद के मुख्यमंत्रियों ने भी पहल की, लेकिन किन्हीं कारणों से बात आगे नहीं बढ़ सकी और इस तरह 25 वर्ष की देर हुई। यह देर राष्ट्रीय संसाधनों पर भारी ही पड़ी।

युद्ध के माहौल में महावीर के दर्शन की उपादेयता

जो प्रतिकूल परिस्थितियों में भी समता एवं संतुलन स्थापित रख सके, जो मौन की साधना और शरीर को तपाने के लिए तत्पर हो। जो पुरुषार्थ के द्वारा न केवल अपना भाग्य बदलना जानता हो, बल्कि संपूर्ण मानवता के उज्ज्वल भविष्य की मनोकामना रखता हो।

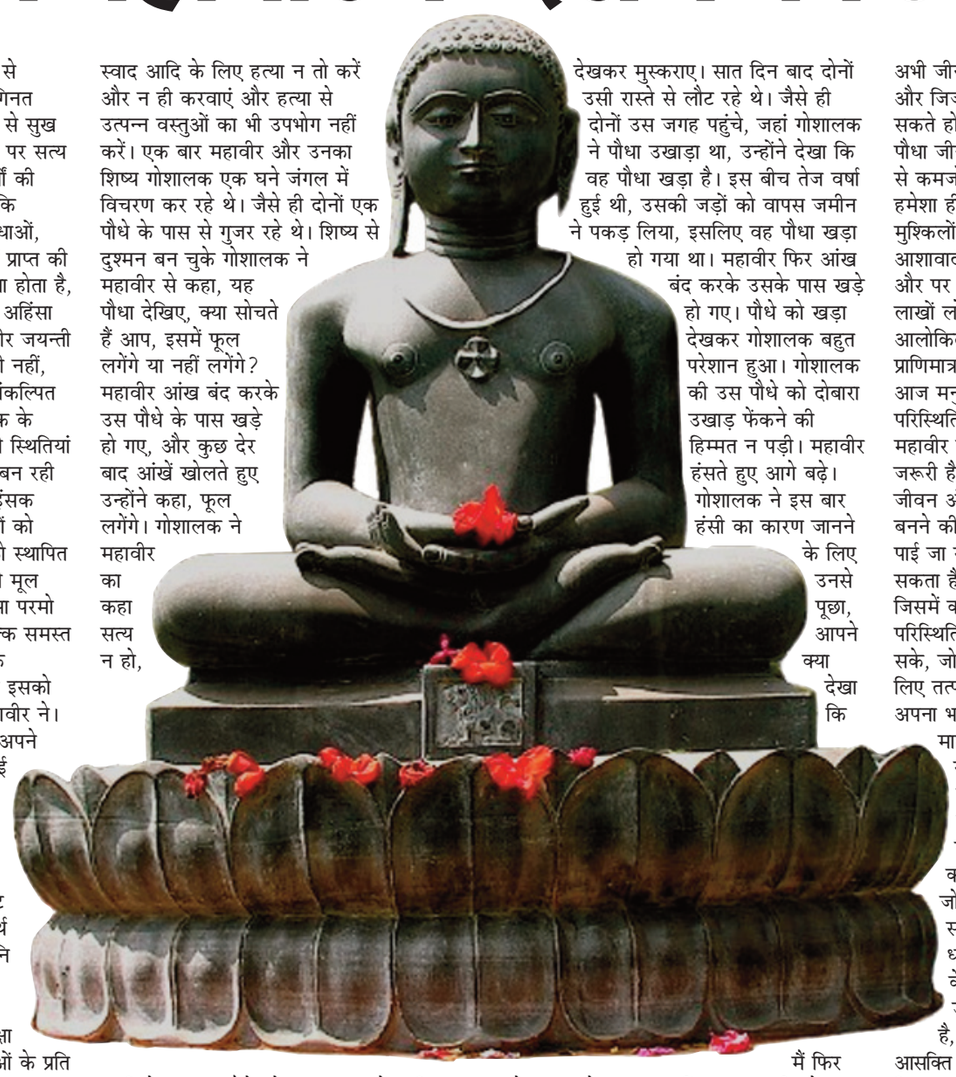

सदियों पहले महावीर जनमे। वे जन्म से महावीर नहीं थे। उन्होंने जीवन भर अनगिनत संघर्षों को झेला, कष्टों को सहा, दुख में से सुख खोजा और गहन तप एवं साधना के बल पर सत्य तक पहुंचे, इसलिये वे हमारे लिए आदर्शों की ऊंची मीनार बन गये। उन्होंने समझ दी कि महानता कभी भौतिक पदार्थों, सुख-सुविधाओं, संकीर्ण सोच एवं स्वार्थी मनोवृत्ति से नहीं प्राप्त की जा सकती उसके लिए सच्चाई को बटोरना होता है, नैतिकता के पथ पर चलना होता है और अहिंसा की जीवन शैली अपनानी होती है। महावीर जयन्ती मनाने हुए हम केवल महावीर को पूजे ही नहीं, बल्कि उनके आदर्शों को जीने के लिये संकल्पित हो। आज समुचित दुनिया युद्ध एवं आतंक के मुहाने पर खड़ी है.युद्ध की विकराल होती स्थितियां संपूर्ण मानवता के लिए एक बड़ा संकट बन रही है, ऐसी स्थितियों में युद्ध मुक्ति और अहिंसक समाज रचना के लिए महावीर के सिद्धांतों को अपनाने और महावीर के जीवन दर्शन को स्थापित करने की जरूरत है. भगवान महावीर की मूल शिक्षा है- 'अहिंसा'। सबसे पहले 'अहिंसा परमो धर्मः' का प्रयोग हिन्दुओं का ही नहीं बल्कि समस्त मानव जाति के पावन ग्रंथ 'महाभारत' के अनुशासन पर्व में किया गया था। लेकिन इसको अंतर्राष्ट्रीय प्रसिद्धि दिलवायी भगवान महावीर ने। भगवान महावीर ने अपनी वाणी से और अपने स्वयं के जीवन से इसे वह प्रतिष्ठा दिलाई कि अहिंसा के साथ भगवान महावीर का नाम ऐसा जुड़ गया कि दोनों को अलग कर ही नहीं सकते। अहिंसा का सीधा-साधा अर्थ करें तो वह होगा कि व्यावहारिक जीवन में हम किसी को कष्ट नहीं पहुंचाएं, किसी प्राणी को अपने स्वार्थ के लिए दुःख न दें। 'आत्मानः प्रतिकूलानि परेषाम् न समाचरेत्'' इस भावना के अनुसार दूसरे व्यक्तियों से ऐसा व्यवहार करें जैसा कि हम उनसे अपने लिए अपेक्षा करते हैं। इतना ही नहीं सभी जीव-जन्तुओं के प्रति अर्थात् पूरे प्राणी मात्र के प्रति अहिंसा की भावना रखकर किसी प्राणी की अपने स्वार्थ व जीभ के स्वाद आदि के लिए हत्या न तो करें और न ही करवाएं और हत्या से उत्पन्न वस्तुओं का भी उपभोग नहीं करें। एक बार महावीर और उनका शिष्य गोशालक एक घने जंगल में विचरण कर रहे थे। जैसे ही दोनों एक पौधे के पास से गुजर रहे थे। शिष्य से दुश्मन बन चुके गोशालक ने महावीर से कहा, यह पौधा देखिए, क्या सोचते हैं आप, इसमें फूल लगेंगे या नहीं लगेंगे? महावीर आंख बंद करके उस पौधे के पास खड़े हो गए, और कुछ देर बाद आंखें खोलते हुए उन्होंने कहा, फूल लगेंगे। गोशालक ने महावीर का कहा सत्य न हो, इसलिये तत्काल पौधे को उखाड़ कर फेंक दिया, और जोर-जोर से हंसने लगा। महावीर उसे देखकर मुस्कराए। सात दिन बाद दोनों उसी रास्ते से लौट रहे थे। जैसे ही दोनों उस जगह पहुंचे, जहां गोशालक ने पौधा उखाड़ा था, उन्होंने देखा कि वह पौधा खड़ा है। इस बीच तेज वर्षा हुई थी, उसकी जड़ों को वापस जमीन ने पकड़ लिया, इसलिए वह पौधा खड़ा हो गया था। महावीर फिर आंख बंद करके उसके पास खड़े हो गए। पौधे को खड़ा देखकर गोशालक बहुत परेशान हुआ। गोशालक की उस पौधे को दोबारा उखाड़ फेंकने की हिम्मत न पड़ी। महावीर हंसते हुए आगे बढ़े। गोशालक ने इस बार हंसी का कारण जानने के लिए उनसे पूछा, आपने क्या देखा कि मैं फिर उसे उखाड़ फेंकूगा या नहीं? तब महावीर ने कहा, यह सोचना व्यर्थ है। अनिवार्य यह है कि यह पौधा अभी जीना चाहता है, इसमें जीने की ऊर्जा है, और जिजीविषा है। तुम इसे दूबारा उखाड़ फेंक सकते हो या नहीं-यह तुम पर निर्भर है। लेकिन पौधा जीना चाहता है, यह महत्वपूर्ण है। तुम पौधे से कमजोर सिद्ध हुए और हार गए। और जीवन हमेशा ही जीतता है। जीवन में आने वाली मुश्किलों का सामना करने के लिए जरूरी है, आशावादी रहना। महावीर का संपूर्ण जीवन स्व और पर के अभ्युदय की जीवंत प्रेरणा है। लाखों-लाखों लोगों को उन्होंने अपने आलोक से आलोकित किया है। उनके मन में संपूर्ण प्राणिमात्र के प्रति सहअस्तित्व की भावना थी। आज मनुष्य जिन समस्याओं से और जिन जटिल परिस्थितियों से घिरा हुआ है उन सबका समाधान महावीर के दर्शन और सिद्धांतों में समाहित है। जरूरी है कि हम महावीर ने जो उपदेश दिये उन्हें जीवन और आचरण में उतारें। हर व्यक्ति महावीर बनने की तैयारी करे, तभी समस्याओं से मुक्ति पाई जा सकती है। महावीर वही व्यक्ति बन सकता है जो लक्ष्य के प्रति पूर्ण समर्पित हो, जिसमें कष्टों को सहने की क्षमता हो। जो प्रतिकूल परिस्थितियों में भी समता एवं संतुलन स्थापित रख सके, जो मौन की साधना और शरीर को तपाने के लिए तत्पर हो। जो पुरुषार्थ के द्वारा न केवल अपना भाग्य बदलना जानता हो, बल्कि संपूर्ण मानवता के उज्ज्वल भविष्य की मनोकामना रखता हो। महावीर का संपूर्ण जीवन तप और ध्यान की पराकाष्ठा है इसलिए वह स्वतः प्रेरणादायी है। उनके उपदेश जीवनस्पर्शी हैं जिनमें जीवन की समस्याओं का समाधान निहित है। वे चिन्मय दीपक हैं, जो अज्ञान रूपी अंधकार को हरता है। वे सचमुच प्रकाश के तेजस्वी पंुज और सार्वभौम धर्म के प्रणेता हैं। वे इस सृष्टि के मानव-मन के दुःख-विमोचक हैं। पदार्थ के अभाव से उत्पन्न दुःख को सद्भाव से मिटाया जा सकता है, श्रम से मिटाया जा सकता है किंतु पदार्थ की आसक्ति से उत्पन्न दुख को कैसे मिटाया जाए? इसके लिए महावीर के दर्शन की अत्यंत उपादेयता है।

ललित गर्ग

इस सम्बन्ध में...

वीरेन्द्र सिंह परिहार

बिहार में नीतीश के बाद कौन ?

ऐसा माना जाता है कि आगामी 10 अप्रैल तक नीतीश कुमार बिहार के मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ देंगे। ऐसी स्थिति में जो चर्चाएं हैं - वह यह कि मुख्यमंत्री पद भाजपा के खाते में जायेगा। जदयू की ओर से नीतीश कुमार के बेटे निशांत समेत जदयू की ओर से दो उप मुख्यमंत्री होंगे। गृह विभाग और विधानसभा में स्पीकर पद को लेकर अभी स्थिति बहुत स्पष्ट नहीं है पर ऐसा माना जाता है कि इन मामलों में यथास्थिति कायम रहेगी, यानी यह दोनो महत्वपूर्ण पद भाजपा के पास ही रहेंगे। यह सब बाते तो अपनी जगह पर हैं, महत्वपूर्ण यह कि यदि मुख्यमंत्री का पद भाजपा के खाते में जायेगा तो उसकी ओर से मुख्यमंत्री कौन ? चर्चाओं के अनुसार मुख्यमंत्री तो भाजपा का होगा पर नीतीश कुमार की सहमति इस मामले में आवश्यक रूप से होगी। ऐसा माना जाता है कि इस मामले में बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी नीतीश कुमार के पसंद हैं और अपनी इस पसंद का इजहार नीतीश कुमार सार्वजनिक रूप से कर चुके हैं। अहम सवाल यह कि क्या बिहार का आगामी मुख्यमंत्री भाजपा का पसंद का नहीं, नीतीश कुमार की पसंद का होगा। यदि सम्राट चौधरी भाजपा की भी पसंद हों, तो बात और है लेकिन यदि ऐसा नहीं तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या नीतीश कुमार अपनी पसंद का मुख्यमंत्री बनवाकर प्रकारांतर से बिहार की सत्ता पर पूरी तरह पकड़ बनाये रखना चाहते हैं और इस तरह से कहीं-न-कहीं अपने बेटे को सत्ता के केन्द्र में बनाये रखना चाहेंगे। उपरोक्त संदर्भ में यह भी महत्वपूर्ण है कि आखिर में बिहार में कौन-सा नेता ऐसा है जो मुख्यमंत्री पद के लिये सर्वाधिक उपयुक्त हो। भाजपा के शुभचिंतकों और बहुत से राजनीतिक विशेषज्ञों की राय में भाजपा की दृष्टि से केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय सर्वाधिक उपयुक्त कहे जा सकते हैं। इसमें पहली बड़ी बात यह कि नित्यानंद राय भाजपा के काडर से आये हैं जबकि सम्राट चैधरी दूसरे दलों से होते हुये भाजपा में आये हैं। इसमें कोई दो मत नहीं कि यदि कोई बड़ी वजह न हो, या अपरिहार्य परिस्थिती न हो, तो ऐसे पदों पर काडर से आये नेताओं को ही प्राथमिकता मिलनी चाहिए। कोई हिमंता विश्वा शर्मा जैसा व्यक्तित्व हो तो बात अलग है पर हिमंता को भी असम में पाँच साल मंत्री बनाने के बाद और पूरी तरह उनकी क्षमता का आकलन करने के पश्चात ही वर्ष 2021 में भाजपा ने मुख्यमंत्री बनाया था। सम्राट चौधरी को मुख्यंत्री बनाने के पक्ष में जो सबसे बड़ा तर्क यह दिया जाता है कि इससे लव-कुश यानी कुर्मी-कुशवाहा का समीकरण मजबूत रहेगा। उल्लेखनीय है कि नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री रहते यह समीकरण मजबूत था क्योंकि बिहार में पिछड़ी जातियों में यादवों के बाद कुर्मी-कुशवाहा की सर्वाधिक संख्या है। लेकिन बड़ी सच्चाई यह कि यादवों को छोड़कर सिर्फ कुर्मी-कुशवाहा ही नहीं अन्य पिछड़ी जातियाँ भी अधिसंख्य एनडीए के साथ है। ऐसा कहा जा सकता है कि यदि नित्यानंद राय को जो यादव समुदाय से आते हैं, यदि उन्हें मुख्यमंत्री बनाया गया तो इससे कुर्मी-कुशवाहा समेत अन्य पिछड़ी जातियों का समर्थन एनडीए के प्रति कम हो सकता है, लेकिन ऐसा सोचना दूर की कौड़ी होगी। वस्तुतः यदि नित्यानंद राय को मुख्यमंत्री बनाया गया तो यादव समुदाय जो अभी मूलतः लालू यादव के साथ हैं, उसमें बड़ा विभाजन होकर एक बड़ा हिस्सा भाजपा के साथ आ सकता है। ऐसा इसलिये भी कि अब बिहार में लालू और उनके परिवार के लिये सत्ता दूर की कौड़ी है. फिर लोग उगते सूरज को सलाम करते हैं। जहाँ तक प्रश्न इस बात की इससे दूसरी पिछड़ी जातियों के छिटकने का प्रश्न है तो लोगो को यह पता होना चाहिए कि ऐसा राजद के शासनकाल में यादवों के प्रभुत्व और एकाधिकार के चलते हुआ था। वास्तविकता है कि जब भाजपा का मुख्यमंत्री यादव जाति से होगा तो इस बात की दूर-दूर तक संभावना नहीं कि उसमें राजनीति या प्रशासन में यादवो का एकाधिकार हो जायेगा जिसकी प्रतिक्रिया दूसरी पिछड़ी एवं अन्य जातियों में होगी। इस तरह से व्यापक जनसमर्थन और सैद्धांतिक दृष्टि से नित्यानंद राय बेहतर मुख्यमंत्री साबित हो सकते हैं। इस सम्बन्ध में नीतीश कुमार को भी टांग नहीं अड़ानी चाहिए और भाजपा को अपनी पसंद का मुख्यमंत्री बनाने देना चाहिए। आगे भाजपा कोई ऐसा भी फैसला कर सकती है जो राजस्थान की तरह अप्रत्याशित हो।

यही वजह है कि...

डॉ. शैलेश शुक्ला

सड़कों से गायब हुए फुटपाथ : अतिक्रमण पर आँख बंद करके बैठा प्रशासन

सड़कों से गायब होते फुटपाथ आज भारत के शहरी जीवन की एक कठोर सच्चाई बन चुके हैं, और अभी तक की स्थिति तक उपलब्ध नवीनतम सरकारी रिपोर्टों, नीतिगत दस्तावेजों और विश्वसनीय अध्ययनों को देखने पर यह स्पष्ट हो जाता है कि यह समस्या न तो नई है और न ही आकस्मिक, बल्कि यह लगातार उपेक्षा, कमजोर शहरी नियोजन और प्रशासनिक निष्क्रियता का परिणाम है। भारत सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट "रोड एक्सीडेंट इन इंडिया 2022" के अनुसार देश में कुल सड़क दुर्घटना मृत्यु में लगभग 19 प्रतिशत पैदल यात्रियों की हिस्सेदारी रही। इसका सीधा अर्थ यह है कि हर पाँच में से लगभग एक व्यक्ति, जो सड़क पर जान गंवा रहा है, वह पैदल चल रहा था। यह आँकड़ा केवल दुर्घटना का नहीं, बल्कि शहरी ढाँचे की प्राथमिकताओं का दर्पण है, जहाँ पैदल चलने वालों की सुरक्षा को व्यवस्थित रूप से नजरअंदाज किया गया है। भारत के शहरी ढांचे में पैदल यात्रियों की भूमिका को समझना आवश्यक है। विभिन्न शहरी परिवहन अध्ययनों, जैसे कि "नैशनल अर्बन ट्रांसपोर्ट पॉलिसी 2006" और उसके बाद के संशोधित दृष्टिकोणों में यह स्वीकार किया गया है कि भारतीय शहरों में 20 से 40 प्रतिशत तक यात्राएँ छोटी दूरी की होती हैं, जिन्हें लोग पैदल या गैर-मोटर चालित साधनों से तय करते हैं। इसके बावजूद, शहरों की सड़क योजना मुख्यतः मोटर वाहनों की गति और संख्या को ध्यान में रखकर बनाई जाती है। नीति और व्यवहार के इस अंतर ने फुटपाथों को 'वैकल्पिक' बना दिया है, जबकि वे वास्तव में शहरी जीवन की मूलभूत आवश्यकता हैं। परिणामस्वरूप, आज अधिकांश शहरों में या तो फुटपाथ मौजूद ही नहीं हैं, या वे इतने खंडित, संकरे और अव्यवस्थित हैं कि उनका उपयोग करना जोखिम भरा हो जाता है। फुटपाथों के अतिक्रमण की समस्या इस संकट को और गहरा करती है। शहरी स्थानीय निकायों के अधिकार क्षेत्र में आने वाले फुटपाथ, व्यवहार में बहुउद्देश्यीय और अनियंत्रित उपयोग के स्थल बन गए हैं। उन पर रेहड़ी-पटरी, अस्थायी दुकानें, अवैध पार्किंग, निर्माण सामग्री और कई बार स्थायी संरचनाएँ तक देखी जा सकती हैं। यह स्थिति केवल अवैधता का प्रश्न नहीं है, बल्कि यह शहरी अर्थव्यवस्था और नियोजन के बीच असंतुलन का भी संकेत है। "Street Vendors (Protection of Livelihood and Regulation of Street Vending) Act, 2014" ने स्पष्ट रूप से यह प्रावधान किया था कि स्ट्रीट वेंडर्स को व्यवस्थित तरीके से निर्दिष्ट क्षेत्रों में स्थान दिया जाए, ताकि उनकी आजीविका भी सुरक्षित रहे और सार्वजनिक स्थानों का अतिक्रमण भी नियंत्रित हो। लेकिन 2026 तक उपलब्ध विभिन्न राज्य स्तरीय क्रियान्वयन रिपोर्टों और मीडिया विश्लेषणों से यह स्पष्ट है कि अधिकांश शहरों में टाउन वेंडिंग कमेटियाँ पूरी तरह सक्रिय नहीं हैं और न ही पर्याप्त वेंडिंग जोन विकसित किए गए हैं। इस नीति-क्रियान्वयन अंतर ने फुटपाथों को अव्यवस्था के हवाले कर दिया है।

विश्व को संकट में डालने वाला युद्ध

यदि पश्चिम एशिया संकट के चलते ऊर्जा संकट कायम रहा तो दुनिया भर में उद्योग-धंधों के बंद होने का सिलसिला तेज होने के साथ लोगों की परेशानी अत्यधिक बढ़ जाएगी। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच पिछले लगभग एक माह से जारी युद्ध को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप रोकने की कोशिश करते तो दिख रहे हैं, लेकिन वे इसमें सफल होते नहीं नजर आ रहे हैं। इसका कारण उनका विरोधाभासी और अविश्वसनीय रवैया है। वे ईरान को धमका भी रहे हैं और उसे युद्ध विराम की पेशकश भी कर रहे हैं। उन्होंने ईरान से बातचीत का हवाला देते हुए पहले उसके बिजली और ऊर्जा ठिकानों पर पांच दिनों तक हमले टालने की घोषणा की, फिर इस अवधि को और आगे बढ़ा दिया। इस बीच उन्होंने ईरान के समक्ष जो 15 सूत्रीय युद्ध विराम प्रस्ताव रखा, उसके जवाब में उसने भी अपनी पांच शर्तें रख दीं। 15 सूत्रीय प्रस्ताव और पांच शर्तों के चलते दोनों पक्षों के बीच किसी सार्थक बातचीत के आसार कम ही हैं, क्योंकि दोनों के बीच भरोसे का अभाव है। समस्या यह भी है कि ट्रंप की किसी बात का भरोसा नहीं। ईरान ने यह समझ लिया है कि वह समुद्री मार्ग होर्मुज पर अपना दबदबा बनाए रखकर और उसे बाधित कर अमेरिका को झुका सकता है, क्योंकि इस मार्ग के बंद होने से उपजा ऊर्जा संकट विश्वव्यापी रूप ले चुका है। अमेरिका की मानें तो वह कई मध्यस्थों के जरिये ईरान से बात कर रहा है। इन मध्यस्थों में मिस्र, तुर्किए के साथ पाकिस्तान का भी नाम है। अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण पाकिस्तान अमेरिका के लिए उपयोगी है। अमेरिका उसके जरिये ईरान में दखल देने की स्थिति में है। एक समय अमेरिका ने पाकिस्तान के सहारे ही अफगानिस्तान में सैन्य हस्तक्षेप किया था। माना जाता है कि ईरान को निशाने पर लेने की रणनीति के कारण ही अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने पाकिस्तान से नजदीकी बढ़ाई थी। जो भी हो, पाकिस्तान भले ही परमाणु हथियारों से संपन्न एक मात्र इस्लामी देश होने के कारण अपने को मुस्लिम देशों के बीच विशिष्ट समझता हो, लेकिन उसकी अंतर-राष्ट्रीय साख चौपट है और वह बिल्कुल भी विश्वसनीय देश नहीं, इसीलिए वह अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता कर सकने की स्थिति में नहीं। खुद उसके विदेश मंत्री कह रहे हैं कि पाकिस्तान दोनों देशों के बीच केवल संदेशों का आदान-प्रदान कर रहा है। ऐसा करते हुए वह अमेरिका से अपने स्वार्थ सिद्ध करने की कोशिश करे तो हैरानी नहीं। वह अपने फायदे के लिए खुद का इस्तेमाल करने और दोस्ती के नाम पर धोखा देने में माहिर है।

■ **संजय गुप्त**

जरा हटके

सुप्रीम कोर्ट ने...

सौरभ वार्ष्णेय

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट - आधुनिक भारत की नई उड़ान

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट केवल एक हवाई अड्डा नहीं बल्कि उत्तर प्रदेश और पूरे भारत की विकास यात्रा का एक बड़ा आधार बनने जा रहा है। यह कहना गलत नहीं होगा कि इसके माध्यम से प्रदेश ही नहीं बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी नई ऊंचाई मिलेगी। इस नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट आधुनिक भारत की नई उड़ान माना जा रहा है। इस विकास से प्रदेश का ही नहीं देश का विकास भी संभव हो सकेगा? देश की तरक्की में कम्युनिकेशन यानी यातायात को सुगम बनाना स्वाभाविक ही वह क्षेत्र और देश स्वयं तरक्की के पंख लगा लेता है। आज उसी अध्याय में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट उत्तर प्रदेश को बीमारू छवि से बाहर निकालेगा। प्रदेश की छवि में चार चांद लगेंगे जैसा कि बताया जा रहा है, अप्रैल के अंत में फ्लाइट्स शुरू होने के बाद यह देश का पांचवां सबसे बड़ा एयरपोर्ट बन जाएगा। चारों फेज का निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद यह देश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट बनेगा। 5000 एकड़ से अधिक के क्षेत्रफल में एयरपोर्ट का विस्तार होगा। पहले फेज के बाद इस एयरपोर्ट पर यात्री क्षमता करीब 1.2 करोड़ होगी। फाइनल फेज पूरी होने के बाद यह 7 करोड़ से अधिक यात्री क्षमता वाला एयरपोर्ट होगा। उड़ानें शुरू होने के बाद तेजी से बढ़ने की उम्मीद है। भविष्य का सबसे बड़ा एविएशन हब बनने की पूरी क्षमता रखता है। इससे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट उत्तर प्रदेश को 'बीमारू' छवि से बाहर निकालकर 'विकसित प्रदेश' की दिशा में ले जाने की क्षमता रखता है, और जब देश का सबसे बड़ा राज्य आर्थिक रूप से सशक्त होगा, तो स्वाभाविक है कि भारत की समग्र प्रगति भी तेज होगी। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर एयरपोर्ट) का उद्घाटन होने के बाद अब अप्रैल माह के अंत तक उड़ाने शुरू होने की उम्मीद की जा रही है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट 65 शहरों के लिए उड़ान शुरू किए जाने का दावा है। पहले चरण में देश के 10 शहरों के लिए सेवा शुरू होगी। शुरुआत में केवल घरेलू और कार्गो उड़ानें ही संचालित होंगी। नोएडा एयरपोर्ट के उद्घाटन के साथ ही यूपी पांच इंटरनेशनल एयरपोर्ट वाला देश का पहला राज्य बन गया है। वैसे तो देश में एयरपोर्ट अलग-अलग मानकों के आधार पर तय किए जाते हैं। इनमें यात्री क्षमता, क्षेत्रफल और उड़ानों की संख्या शामिल होती है। देश के सबसे व्यस्त एयरपोर्ट के आधार पर सबसे बड़ा दिल्ली का इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट है। वहीं, क्षेत्रफल के लिहाज से हैदराबाद एयरपोर्ट सबसे बड़ा है। उड़ानों की दृष्टि से सबसे बड़ा एयरपोर्ट दिल्ली और मुंबई एयरपोर्ट है। जेवर एयरपोर्ट का निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद इसे सबसे बड़ा माना जाएगा। देश के पांच सबसे बड़े एयरपोर्ट होगा। सबसे पहले, यह एयरपोर्ट पश्चिमी उत्तर प्रदेश को वैश्विक व्यापार और निवेश के नक्शे पर मजबूती से स्थापित करेगा। अभी तक दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट पर अत्यधिक दबाव रहता है लेकिन जेवर एयरपोर्ट उस दबाव को कम करेगा और क्षेत्र में हवाई कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएगा। इससे निर्यात, लॉजिस्टिक्स और पर्यटन क्षेत्र को बड़ा लाभ मिलेगा। दूसरा, यह परियोजना रोजगार के विशाल अवसर पैदा करेगी। निर्माण चरण से लेकर संचालन तक लाखों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। आसपास के क्षेत्रों—जैसे ग्रेटर नोएडा, बुलंदशहर, अलीगढ़—में औद्योगिक और व्यावसायिक गतिविधियां तेजी से बढ़ेंगी। तीसरा, यह एयरपोर्ट 'मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी का केंद्र बनेगा। एक्सप्रेसवे, मेट्रो और रेल नेटवर्क से जुड़कर यह क्षेत्र एक लॉजिस्टिक्स हब के रूप में विकसित होगा। इससे किसानों, छोटे व्यापारियों और उद्योगों को अपने उत्पाद देश-विदेश तक पहुंचाने में आसानी होगी। चौथा, विदेशी निवेश को आकर्षित करने में यह अहम भूमिका निभाएगा। जब वैश्विक कंपनियां बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर देखती हैं।

सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स के साथ किया करार, 2024 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया था

आर अश्विन अब अमेरिका में खेलेंगे क्रिकेट

मुंबई, एजेंसी

भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन अब अमेरिका की टी-20 लीग में खेलते नजर आएंगे। उन्होंने आगामी मेजर लीग क्रिकेट (MLC) सीजन के लिए सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स टीम से करार किया है। इसके साथ ही वह इस टूर्नामेंट में खेलने वाले पहले पूर्व भारतीय इंटरनेशनल खिलाड़ी बन गए हैं। अश्विन ने साल 2024 के अंत में इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। इसके बाद 2025 के IPL में वे CSK की तरफ से खेलते नजर आए थे, हालांकि वह सीजन उनके लिए बहुत खास नहीं रहा था। IPL खत्म होने के बाद उन्होंने इस लीग से भी संन्यास का ऐलान कर दिया था। अब संन्यास के बाद वे ग्लोबल लीग्स का रुख कर रहे हैं। साल 2028 में लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलिंपिक खेलों में क्रिकेट की 128 साल बाद वापसी होने जा रही है। इससे पहले अमेरिका खुद को क्रिकेट के बड़े डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित कर रहा है।

MLC के चीफ एग्जीक्यूटिव जॉनी ग्रेव ने कहा, अश्विन जैसे कद के खिलाड़ी का हमारे साथ जुड़ना यह बताता है कि पिछले तीन सालों में हमारी लीग ने कितनी तरक्की की है। अब अमेरिका में लोग क्रिकेट के बारे में जानने लगे हैं। MLC का चौथा सीजन यानी 2026 सीजन 18 जून से शुरू होगा। यह टूर्नामेंट टेक्सास, लॉस एंजिल्स और ओकलैंड में खेला जाएगा। इसका फाइनल मुकाबला 18 जुलाई को ओकलैंड कोलिजियम में होगा। अश्विन की टीम सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स अब तक एक बार भी खिताब नहीं जीत पाई है।

पहली बार आईपीएल के बाहर किसी विदेशी टी-20 लीग में खेलेंगे

अपने लंबे और सफल करियर में अश्विन ने भारत के बाहर किसी भी टी-20 लीग में हिस्सा नहीं लिया है। यह पहला मौका होगा जब वे IPL के अलावा किसी ग्लोबल फ्रेंचाइजी कॉम्पिटिशन में खेलेंगे। इससे पहले उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग (BBL) में सिडनी थंडर के साथ करार किया था, लेकिन घुटने की सर्जरी के कारण वे उस समय खेल नहीं पाए थे।

अश्विन बोले- अमेरिका में क्रिकेट का भविष्य बहुत उज्ज्वल

अमेरिका में खेलने को लेकर अश्विन काफी उत्साहित हैं। उन्होंने कहा,'हाल ही में मैंने डलास में एक एग्जीबिशन मैच खेला था। वहां एशियाई मूल के लोगों के बीच क्रिकेट को लेकर जो दीवानगी देखी, उसने मुझे हैरान कर दिया। वहां क्रिकेट की काफी संभावनाएं हैं। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका में रह रहे लोग और खासकर बच्चे जिस तरह से इस खेल में रुचि दिखा रहे हैं, उसे करीब से अनुभव करने के लिए मैं MLC का हिस्सा बनना चाहता था। पिछले तीन सालों में हमारी लीग ने कितनी तरक्की की है। अब अमेरिका में लोग क्रिकेट के बारे में जानने लगे हैं।

6 में से 3 टीमों के मालिक आईपीएल ग्रुप्स हैं

मेजर लीग क्रिकेट में IPL का गहरा कनेक्शन है। लीग की 6 में से 3 टीमों के मालिक वही ग्रुप्स हैं जिनके पास IPL टीमें हैं। इनमें एमआई न्यूयॉर्क (MI), टेक्सास सुपर किंग्स (CSK) और एलए नाइट राइडर्स (KKR) शामिल हैं। इसके अलावा हाल ही में राजस्थान रॉयल्स को भी अमेरिका के बड़े निवेशकों ने खरीदा है, जिसमें एनएफएल (NFL) टीमों के मालिक भी शामिल हैं।

शशांक सिंह का गोल, इम्पैक्टफुल पारियां

पंजाब किंग्स के फिनिशर शशांक सिंह ने IPL 2026 से पहले अपने गोल को लेकर साफ कहा है कि इस सीजन उनका पूरा फोकस इम्पैक्टफुल पारियां खेलने पर रहेगा। उन्होंने बताया कि उनका मकसद ज्यादा रन बनाना या व्यक्तिगत आंकड़ों के पीछे भागना नहीं, बल्कि टीम के लिए मैच जिताने वाली भूमिका निभाना है। जियोस्टार प्रेस रूम में दैनिक भास्कर के सवाल पर शशांक ने कहा, उनका बल्लेबाजी क्रम ऐसा है, जहां उन्हें अक्सर दबाव में क्रीज पर आना पड़ता है। ऐसे में उनकी पहली प्राथमिकता हर हाल में टीम को जीत दिलाना होती है। पिछले सीजन को याद करते हुए उन्होंने कहा, शुरुआत में उन्हें अपने रोल को लेकर ज्यादा स्पष्टता नहीं थी, लेकिन टीम मैनेजमेंट ने उन्हें फिनिशर की जिम्मेदारी दी। अब वे अपनी भूमिका को अच्छी तरह समझते हैं। शशांक ने कहा कि 20 गेंदों में 50 रन जैसी पारियां खेलना ही उनका असली काम है और इस बार भी उनका टारगेट यही रहेगा। उन्होंने साफ किया कि व्यक्तिगत उपलब्धियों से ज्यादा जरूरी टीम की जीत और खिताब है। 31 मई को हम चिन्नास्वामी में खेलेंगे और कप उठाएंगे

बांग्लादेश ने आईपीएल टेलीकास्ट पर बैन हटाया

मंत्री बोले- खेल को राजनीति से अलग रखें, मुस्तफिजुर को लीग से बाहर करने पर रोक लगाई थी

नई दिल्ली, एजेंसी

बांग्लादेश सरकार ने इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) के टेलीकास्ट पर लगा बैन हटा दिया है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री जहीर उद्दीन स्वापन ने शनिवार को एक निजी कार्यक्रम में कहा कि खेल को राजनीति से अलग रखा जाना चाहिए। बांग्लादेश में IPL के प्रसारण पर कोई रोक नहीं है। स्वापन ने कहा- IPL का प्रसारण करने के लिए किसी भी चैनल ने हमसे संपर्क नहीं किया। हम IPL को व्यावसायिक नजरिए से देखेंगे और अगर कोई चैनल IPL का प्रसारण करने के लिए आवेदन करता है, तो हम उस पर पॉजिटिव रूप से विचार करेंगे।असल, बांग्लादेशी खिलाड़ी मुस्तफिजुर रहमान को कोलकाता नाइट राइडर्स ने टीम से बाहर कर दिया था। इसके बाद उस समय की यूनुस सरकार ने IPL के टेलीकास्ट पर रोक लगाई थी। इससे पहले, युवा और खेल मामलों के राज्य मंत्री अमीनुल हक ने क्रिकबज से बातचीत में कहा था कि पिछली अंतरिम

सरकार की ओर से IPL के प्रसारण पर प्रतिबंध लगाया गया था। अब नई सरकार है। वे इस संबंध में संबंधित अधिकारियों से बात करेंगे। कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) ने 3 जनवरी को मुस्तफिजुर को टीम से बाहर कर दिया था। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रही हिंसा के बीच उन्हें टीम से हटाने की मांग उठ रही थी। इसके बाद BCCI ने शाहरुख खान की IPL टीम KKR को मुस्तफिजुर रहमान को हटाने का आदेश दिया था, जिसके बाद यह फैसला लिया गया।

फास्ट न्यूज

भूत बंगला में कॉमेडी-हॉरर का नया अनुभव देंगे अक्षय

मुंबई। फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर स्टारकास्ट और डायरेक्टर ने खुलकर बातचीत की, जिसमें इसके आइडिया, शूटिंग अनुभव और कॉमेडी-हॉरर के संतुलन पर चर्चा हुई। डायरेक्टर प्रियदर्शन ने बताया कि कहानी को कई बार री-राइट कर इसे एक परफेक्ट एंटर-टेनर बनाया गया, जबकि अक्षय कुमार ने फिल्म में लॉजिक और रियल अप्रोच पर जोर दिया। वामिका गब्बी ने कहा कि इस फिल्म ने उन्हें शांत रहकर काम को एंजॉय करना सिखाया।

कंडोम 50% तक महंगे हो सकते हैं

नई दिल्ली। देश में कंडोम की कीमत 50% तक बढ़ सकती है, क्योंकि अमेरिका-ईरान के बीच चल रही जंग के कारण सप्लाई चेन टूट गई है। इससे तेल और गैस के बाद अब कंडोम बनाने में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल की किल्लत हो गई है। मिंट की रिपोर्ट के मुताबिक, कंडोम बनाने वाली दिग्गज कंपनियों जैसे HLL लाइफकेयर, मैनकाइंड फार्मा और क्यूपिड लिमिटेड को अमोनिया और सिलिकॉन ऑयल की कमी का सामना करना पड़ रहा है। रिपोर्ट में इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स ने दावा किया कि इनपुट कॉस्ट बढ़ने से बाजार में अनिश्चितता का माहौल है और कीमतें 40 से 50% तक बढ़ सकती हैं। भारत का कंडोम बाजार करीब 1.7 बिलियन डॉलर (लगभग 14 हजार करोड़ रुपए) का है। कंडोम निर्माण में जरूरी 'एनहा-इड्रस अमोनिया' के लिए भारत 86% आयात पर निर्भर है।

मिशिका कंबोज की बर्थडे पार्टी में पहुंचे सेलेब्स

मुंबई में बिजनेसमैन और बीजेपी नेता मोहित कांबोज की बेटी मिशका कांबोज के 16वें बर्थडे सेलिब्रेशन में शनिवार को रणवीर सिंह, संजय दत्त और शाहरुख खान समेत कई सेलेब्स शामिल हुए। कार्यक्रम में अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट भी नजर आए। यह सेलिब्रेशन मुंबई के एक होटल में हुआ। फिल्म धुरंधर 2 की सफलता के बीच रणवीर सिंह और संजय दत्त पहली बार किसी पब्लिक इवेंट में साथ दिखाई दिए।

वर्ल्डवाइड कलेक्शन 1226.44 करोड़ हुआ, केजीएफ चैप्टर 2 और जवान को पीछे छोड़ा

धुरंधर 2 बनी 6वीं सबसे ज्यादा कमाई वाली भारतीय फिल्म

नई दिल्ली/मुंबई, एजेंसी

रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर 2 (धुरंधरः द रिवेंज)' बॉक्स ऑफिस पर लगातार नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। रिलीज के महज 10 दिनों में फिल्म ने दुनियाभर में 1,226.44 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है। इसी के साथ यह भारतीय सिनेमा की छठी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है। फिल्म की तेज रफ्तार कमाई ने कई बड़ी फिल्मों के रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। इसने KGF Chapter 2 (1,215 करोड़ रुपये) और Jawan (1,160 करोड़ रुपये) को पीछे छोड़ते हुए टॉप-6 में अपनी जगह बना ली है हिंदी बेल्ट में फिल्म की पकड़ बेहद मजबूत बनी हुई है, जो इसकी सफलता का सबसे बड़ा कारण बनकर उभरी है। फिल्म ने ओवरसीज मार्केट में भी शानदार प्रदर्शन किया है। अब तक

विदेशों में इसकी कमाई 296 से 299.5 करोड़ रुपये के बीच पहुंच चुकी है। खासतौर पर अमेरिका और कनाडा जैसे बड़े बाजारों में फिल्म ने 193.06 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर इतिहास रच दिया। इसने Baahubali 2: The Conclusion का रिकॉर्ड भी पीछे छोड़ दिया, जिसे लंबे समय से एक बेंचमार्क माना जाता था। खाड़ी देशों में रिलीज नहीं, फिर भी रिकॉर्डतोड़ सफलता 'धुरंधर 2' का भारत में 778.77 करोड़ रुपये का नेट और 930.44 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन इस बात का संकेत है फिल्म की मौजूदा रफ्तार को देखते हुए ट्रेड एक्सपर्ट्स का मानना है कि आने वाले दिनों में 'धुरंधर 2' और बड़े रिकॉर्ड तोड़ सकती है। यदि यही ट्रेंड जारी रहा तो यह फिल्म भारतीय सिनेमा की टॉप-5 या टॉप-3 फिल्मों में भी अपनी जगह बना सकती है।

ए-रेटेड फिल्मों में बनी नंबर-1

फिल्म को 'A' सर्टिफिकेट मिलने के बावजूद इसकी कमाई पर कोई असर नहीं पड़ा। उल्टा, 'धुरंधर 2' अब भारतीय सिनेमा की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली A-रेटेड फिल्म बन चुकी है। यह उपलब्धि इसलिए भी खास मानी जा रही है क्योंकि A-रेटेड फिल्मों का दर्शक वर्ग सीमित होता है, फिर भी फिल्म ने बड़े पैमाने पर दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचा।

'धुरंधर 2' की सफलता की सबसे दिलचस्प बात यह है कि फिल्म को खाड़ी देशों (खाड़ी देश) में रिलीज की अनुमति नहीं मिली थी। आमतौर पर ये मार्केट भारतीय फिल्मों के लिए काफी बड़ा माना जाता है, लेकिन इसके बावजूद फिल्म ने 1200 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया। यह दर्शाता है कि फिल्म की लोकप्रियता केवल पारंपरिक बाजारों तक सीमित नहीं रही, बल्कि वैश्विक स्तर पर इसकी जबरदस्त मांग बनी हुई है।

धुरंधर को शानदार रिस्पॉन्स मिला था

धुरंधर के पहले पार्ट ने भारत और अंतरराष्ट्रीय बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया और दुनियाभर में करीब 1,307 करोड़ रुपए कमाए। भारत में फिल्म का ग्रॉस कलेक्शन 1,005.85 करोड़ रुपए रहा, जबकि नेट कलेक्शन लगभग 840 करोड़ रुपए हुआ। वहीं, 894.49 करोड़ रुपए की कमाई के साथ ही यह हिंदी भाषा में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनी थी।

भारत में कमाई का मजबूत किला

ट्रेड रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म ने रिलीज के 10वें दिन (शनिवार) भारत में 62.85 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया। इसके साथ ही भारत में फिल्म की कुल नेट कमाई 778.77 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। अगर ग्रॉस कलेक्शन की बात करें तो देशभर में फिल्म ने 930.44 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। यह आंकड़ा दर्शाता है कि फिल्म को हर वर्ग के दर्शकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है।

पाकिस्तान के पूर्व सेना प्रमुख कमर बाजवा की मौत

बाथरूम में फिसलने से सिर में गंभीर चोट आई थी, 1 महीने से हॉस्पिटल में थे

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के पूर्व सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा का 65 साल की उम्र में शनिवार को निधन हो गया। फरवरी में घर के बाथरूम में फिसलने के बाद उन्हें सिर में गंभीर चोट लगी थी, जिसके बाद रावलपिंडी के मिलिट्री अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था और वे ICU में भर्ती थे। डॉक्टरों ने उनकी सर्जरी की थी। शुरुआत में डॉक्टरों ने सर्जरी को सफल बताया था, लेकिन उनकी हालत गंभीर बनी हुई थी और लगातार निगरानी में रखा गया था। बाजवा 2016 से 2022 तक पाकिस्तान के सेना प्रमुख रहे और रिटायरमेंट के बाद भी देश की राजनीति और सुरक्षा मामलों में प्रभावशाली माने जाते थे। लेकिन 2021 में ISI प्रमुख की नियुक्ति को लेकर दोनों के बीच मतभेद शुरू हो गए। सेना चाहती थी कि नदीम अंजुम को तुरंत ISI चीफ बनाया जाए, जबकि इमरान खान इस फैसले को टाल

रहे थे। यहीं से दोनों के रिश्तों में दरार आनी शुरू हो गई। इसके बाद 2022 में इमरान खान की सरकार गिर गई। इमरान खान ने आरोप लगाया कि सेना ने उनका साथ छोड़ दिया और विपक्ष को समर्थन दिया। हालांकि सेना ने इन आरोपों से इनकार किया। सरकार जाने के बाद इमरान खान ने खुलकर बाजवा और सेना की आलोचना शुरू कर दी। उनके 'न्यूट्रल तो जानवर होता है' वाले बयान ने इस विवाद को और बढ़ा दिया। रिपोर्ट के मुताबिक, बाजवा के रिश्तेदारों और करीबियों ने कराची और लाहौर जैसे बड़े शहरों में फार्म हाउस बनाए, बड़े बिजनेस शुरू किए और विदेशों में भी प्रॉपर्टी खरीदी। रिपोर्ट के अनुसार, 2015 तक आयशा अमजद के नाम कोई प्रॉपर्टी नहीं थी, लेकिन 2016 में अचानक कई प्रॉपर्टी खरीदी गईं और उनकी संपत्ति तेजी से बढ़ गई। इसी तरह उनकी बहू महनूर साबिर की संपत्ति भी शादी के कुछ ही समय बाद जीरो से बढ़कर करीब एक अरब रुपए तक पहुंच गई।

रिपोर्ट में कहा गया कि इन सभी संपत्तियों की कुल कीमत करीब 1200 करोड़ पाकिस्तानी रुपए से ज्यादा हो सकती है। यह प्रॉपर्टी मुख्य रूप से उनकी पत्नी आयशा अमजद, बहू महनूर साबिर और परिवार के अन्य करीबी लोगों के नाम पर बताई गई।

इमरान खान की कमर जावेद बाजवा के साथ फाइल फोटो।

इमरान खान के साथ विवादों की वजह से चर्चा में थे

कमर जावेद बाजवा पूर्व पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान के साथ विवाद को लेकर काफी चर्चा में रहे थे। शुरुआत में दोनों के रिश्ते अच्छे थे, लेकिन बाद में हालात पूरी तरह बदल गए। जब 2018 में इमरान खान प्रधानमंत्री बने, तब कहा जाता था कि सरकार और सेना 'एक पेज' पर हैं। माना जाता है कि उस समय बाजवा के नेतृत्व में सेना का इमरान सरकार को समर्थन था और दोनों के बीच तालमेल ठीक था।

6 साल में अरबपति हो गया था बाजवा का परिवार

कमर जावेद बाजवा के रिटायरमेंट के बाद उनकी फैमिली की संपत्ति को लेकर भी बड़ा विवाद हुआ था। 2022 में पाकिस्तानी पत्रकार अहमद नूरानी की रिपोर्ट में कहा गया था उनके परिवार की संपत्ति महज 6 साल में तेजी से बढ़कर अरबों में पहुंच गई थी।

रूस 4 महीने तक पेट्रोल नहीं बेचेगा

1 अप्रैल से बैन शुरू, भारत पर कम, चीन-तुर्किये और ब्राजील पर ज्यादा असर

मॉस्को, एजेंसी

रूस ने 1 अप्रैल से 31 जुलाई तक पेट्रोल निर्यात पर रोक का फैसला किया है। उप-प्रधानमंत्री अलेक्जेंडर नोवाक ने ऊर्जा मंत्रालय से इस प्रस्ताव को तैयार करने को कहा। रूस के मुताबिक यह कदम घरेलू सप्लाई बनाए रखने और कीमतें नियंत्रित रखने के लिए है। नोवाक ने कहा कि मिडिल ईस्ट में चल रहे इजराइल-ईरान जंग की वजह से ग्लोबल तेल और पेट्रोलियम प्रोडक्शन बाजार में अस्थिरता बढ़ी है। इससे कीमतों में उतार-चढ़ाव हो रहा है। रूस रोजाना 1.2 से 1.7 लाख बैरल पेट्रोल निर्यात करता है। निर्यात रोकने से चीन, तुर्किये, ब्राजील, अफ्रीका और सिंगापुर जैसे देशों पर असर पड़ सकते हैं। ये देश रूसी तेल उत्पादों के बड़े खरीदार हैं। भारत पर असर कम होगा क्योंकि वह पेट्रोल नहीं,

कच्चा तेल खरीदता है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि भारत सीधेतौर पर पेट्रोल जैसे तैयार ईंधन पर ज्यादा निर्भर नहीं है, बल्कि कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) पर निर्भर है। क्रूड ऑयल को ही रिफाइन कर पेट्रोल और डीजल बनाए जाते हैं। भारत अपनी जरूरत का करीब 80% कच्चा तेल आयात करता है, जिसमें से लगभग 20% रूस से आता है। भारत बहुत कम मात्रा में पेट्रोल या अन्य तैयार ईंधन आयात करता है।

मजबूती : रुपए में लगातार गिरावट को रोकने के लिए आरबीआई का निर्देश, इससे विदेशी सामान सस्ते होंगे

बैंक अपने पास 100-मिलियन डॉलर से ज्यादा नहीं रख सकेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

RBI ने निर्देश दिया है कि बैंक अब हर दिन अपने पास 100 मिलियन डॉलर (करीब 950 करोड़ रुपए) से ज्यादा नहीं रख सकेंगे। इससे पहले बैंक हर दिन 300 से 500 मिलियन डॉलर (2,845-4,743 करोड़ रुपए) होल्ड कर रहे थे। फॉरेक्स एनालिस्ट के मुताबिक, निर्देश का असर यह होगा कि बैंक अब उनके पास मौजूद एक्स्ट्रा डॉलर को मार्केट में बेचेंगे तो इससे रुपया मजबूत होगा। जिससे विदेशी सामान खरीदना, विदेश में पढ़ना और घूमना सस्ता हो सकता है। इसके अलावा मोबाइल, लैपटॉप जैसे इलेक्ट्रॉनिक्स प्रोडक्ट्स भी सस्ते हो सकते हैं। RBI के यह निर्देश जारी करने के एक दिन पहले ही रुपया डॉलर के मुकाबले 94.59 के

अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंचा है। RBI ने सभी ऑथराइज्ड फॉरेन एक्सचेंज डीलर्स को इस नए नियम का पालन करने के लिए 10 अप्रैल तक का समय दिया है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के एफएक्स एनालिस्ट दिलीप परमार के मुताबिक, इस कदम से शेयर बाजार में बैंकों की डॉलर में ली जाने वाली लॉन्ग पोजीशन (सट्टेबाजी) कम होगी।

रुपए में गिरावट को देखते हुए आरबीआई ने यह फैसला लिया

RBI ने डॉलर के मुकाबले रुपए में आ रही गिरावट और बाजार की अस्थिरता को देखते हुए यह फैसला लिया है। निर्देश जारी करते हुए RBI ने सभी बैंकों को कहा कि वे हर कारोबारी दिन के आखिरी में ऑनशोर डिलीवरेबल मार्केट में भारतीय मुद्रा पर अपनी नेट ओपन पोजिशन (NOP-INR) को 100 मिलियन डॉलर के अंदर सीमित रखें। यानी बैंकों को हर कारोबारी दिन के आखिरी में अपने फॉरेन करेंसी एक्सपोजर को इसी दायरे में रखना होगा।

क्या होती है नेट ओपन पोजीशन (एनओपी)?

नेट ओपन पोजीशन का मतलब उस कुल विदेशी मुद्रा से है जिसे बैंकों ने खरीदा या बेचा है, लेकिन उसे हेज (सुरक्षित) नहीं किया है। मौजूदा नियमों के अनुसार, बैंक अपनी कुल पूंजी के 25% तक की लिमिट खुद तय कर सकते थे। लेकिन अब RBI ने इसे सीधे तौर पर 100 मिलियन डॉलर पर कैप कर दिया है। दिलीप परमार ने बताया कि बैंक अक्सर बड़े फॉरेक्स पोर्टफोलियो रखते हैं, जिनमें से कुछ का इस्तेमाल आर्बिट्राज (मुनाफाखोरी) के लिए किया जाता है। जब बैंक बड़े पैमाने पर अनहेजेड पोजीशन (बिना सुरक्षा वाली ट्रेडिंग) रखते हैं।

रेमंड के पूर्व चेयरमैन विजयपत सिंघानिया का निधन

मुंबई। रेमंड ग्रुप के पूर्व चेयरमैन विजयपत सिंघानिया का 87 साल की उम्र में निधन हो गया। उनके बेटे गौतम सिंघानिया ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी दी। उनका अंतिम संस्कार आज दोपहर 3 बजे मुंबई के चंदनवाड़ी श्मशान घाट में होगा। गौतम सिंघानिया ने अपने मैसेज में लिखा है कि उनके पिता एक दूरदर्शी नेता और समाजसेवी इंसान थे, जिनकी विरासत आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। विजयपत सिंघानिया देश की प्रमुख टेक्सटाइल कंपनी रेमंड ग्रुप के पूर्व मैनेजिंग डायरेक्टर रहे हैं। विजयपत 2017 से ही बेटे गौतम सिंघानिया के साथ परिवार और संपत्ति से जुड़े विवाद को लेकर सुर्खियों में थे। एडवेंचर और एविएशन के शौकीन सिंघानिया के लिए आसमान ही सीमा थी। वे एक ऐसे दुर्लभ कॉर्पोरेट लीडर थे जो बोर्डरूम से बाहर भी जोखिम भरे कारनामे करते थे। बिजनेस और एडवेंचर, दोनों ही क्षेत्रों में उन्हें खूब तारीफें मिलीं। भारत का तीसरा सबसे बड़ा नागरिक सम्मान 'पद्म भूषण' और साथ ही 'तेनजिंग नोर्गे नेशनल एडवेंचर अवॉर्ड' भी मिला।

अप्रैल में 14 दिन बैंकों में नहीं होगा काम

4 रविवार और 2 शनिवार के अलावा अलग-अलग जगहों पर 8 दिन बैंक बंद रहेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली, एजेंसी। Reserve Bank of India (RBI) द्वारा जारी अवकाश कैलेंडर के अनुसार अप्रैल 2026 में देशभर के बैंकों में कुल 14 दिन कामकाज बंद रहेगा, जिसमें 4 रविवार और दूसरे व चौथे शनिवार के अलावा अलग-अलग राज्यों में पड़ने वाले 8 क्षेत्रीय अवकाश शामिल हैं, वहीं महीने की शुरुआत 1 अप्रैल से ही छुट्टी के साथ होगी क्योंकि इस दिन पूरे देश में वार्षिक लेखा समापन (Annual Account Closing) के चलते बैंक बंद रहेंगे और किसी भी प्रकार का ऑफलाइन लेनदेन नहीं हो सकेगा, ऐसे में ग्राहकों को अपने जरूरी काम पहले से निपटाने की सलाह दी गई है, हालांकि बैंक शाखाएं बंद रहने के बावजूद इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, UPI और ATM जैसी डिजिटल सेवाएं सामान्य रूप से चालू रहेंगी और इन पर छुट्टियों का कोई असर नहीं पड़ेगा, उधर अप्रैल महीने में शेयर बाजार में भी कुल 10 दिन कारोबार नहीं होगा जिसमें 8 दिन

साप्ताहिक अवकाश (शनिवार-रविवार) के कारण बाजार बंद रहेगा, जबकि 3 अप्रैल को Good Friday और 14 अप्रैल को Ambedkar Jayanti के अवसर पर भी ट्रेडिंग नहीं होगी, ऐसे में निवेशकों और आम ग्राहकों को सलाह दी गई है कि वे अपने बैंकिंग और निवेश से जुड़े कार्यों की योजना पहले से बना लें ताकि छुट्टियों के दौरान किसी तरह की असुविधा से बचा जा सके।

जिसने हमारे घर को गंगाजल से धुलवाया, वो हमारा दर्द नहीं समझ सकते हैं

नोएडा एयरपोर्ट का उद्घाटन बेचने के लिए किया : अखिलेश

तमसा संकेत, एजेंसी

नोएडा। अखिलेश यादव ने रविवार को नोएडा के दादरी में समाजवादी समता भाईचारा रैली को संबोधित किया। जेवर एयरपोर्ट के उद्घाटन पर उन्होंने तंज कसा कि यूपी के 7 में से 6 एयरपोर्ट बंद हो गए हैं। कम से कम यह वादा करते जाते कि उद्घाटन के बाद इसे बेचा नहीं जाएगा। लगता तो ऐसा है कि यह उद्घाटन ही बेचने के लिए किया गया है। उन्होंने कहा- जिसने अत्याचार, अन्याय और उत्पीड़न की पीड़ा नहीं झेली है, वह हमारे दर्द को नहीं समझ सकते। वह हमदर्दी तो दिखा सकते हैं, लेकिन वह हमारा दर्द महसूस नहीं कर सकते, जो हमारे घर को गंगाजल से धुलवाने पर हमें हुआ था। दरअसल, पश्चिमी यूपी में गुर्जर समुदाय काफी प्रभावशाली माना जाता है। गाजियाबाद, नोएडा, दादरी, मेरठ, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, बिजनौर, संभल, कैराना जैसी करीब 24 सीटों पर 20 से 70 हजार तक गुर्जर वोट हैं। अब तक यह भाजपा का साथ देता आया है। अब सपा इस गठजोड़ में सेंधमारी करना चाहती है।

सपा की रैली में कार्यकर्ता कुछ को लाल-हरे रंग में रंगकर पहुंचे थे। खुद पर सपा की साइकिल बनवा रखी थी। अखिलेश-डिंपल के नाम लिखवा रखे थे।

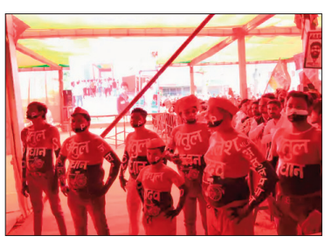

सपा प्रमुख बोले- आजकल एक डायलॉग बहुत चलता है कि कोई माफिया नहीं है

अखिलेश ने कहा कि आजकल एक डायलॉग बहुत चलता है कि कोई माफिया नहीं है। जब वो ऐसा कहते हैं तो उसका मतलब होता है कि एक माफिया है। न सिर्फ अपने मुकदमे वापस लिए हैं, अपने सहयोगियों के भी मुकदमे वापस लिए हैं। इसलिए 9 साल का हिसाब नहीं दे पा रहे हैं। इसलिए आधा अधूरा एयरपोर्ट का उद्घाटन कर के गए हैं। इसे एनओसी सपा सरकार ने दिया था। हमारी सरकार बनेगी तो हम न्याय करेंगे। अभी पहला फेज बना है।

66 सपा प्रमुख ने कहा- मंदिर जाने पर मंदिर धुलवाने पर हमने यह दर्द महसूस किया था। हम उन नकारात्मक लोगों को मिटाना नहीं चाहते हैं, बस समझाना चाहते हैं। अब दौर बदल गया है। अभी समय है- चालबाजी छोड़ दें, भेदभाव छोड़ दें। भविष्य उनका नहीं है। नहीं तो आज उनके झंडे उतर गए हैं, कल सत्ता के सिंहासन से भी उतार दिए जाएंगे। इससे पहले, अखिलेश ने 9वीं सदी के गुर्जर-प्रतिहार वंश के सम्राट मिहिर भोज की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

सड़क हादसे में मृत महिलाओं के शवों से गहने गायब

बाराबंकी। बाराबंकी जिले में एक सड़क हादसे के बाद मृत दो महिलाओं के शवों से आभूषण गायब होने का गंभीर आरोप सामने आया है। यह घटना फतेहपुर-सिहाली मार्ग पर इसेपुर रेलवे क्रॉसिंग के पास शनिवार शाम हुई थी, जिसमें देवरानी और जेठानी की मौके पर ही मौत हो गई थी। हादसे में एक तीन वर्षीय बालिका गंभीर रूप से घायल हुई है, जिसका उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है। रविवार को पोस्टमार्टम के बाद जब शव परिजनों को सौंपे गए, तो उन्होंने आरोप लगाया कि दोनों महिलाओं के शरीर से सोने-चांदी के आभूषण गायब हैं। परिजनों के अनुसार, मृतक महिलाओं के पास झुमकी, मंगलसूत्र और सोने की चेन जैसे आभूषण थे, लेकिन शव मिलने पर ये नहीं मिले। एक महिला के पैरों में केवल पायल ही पाई गई। इस घटना को लेकर परिजनों में भारी नाराजगी है। उन्होंने नगर कोतवाली पुलिस को लिखित तहरीर दी है और मामले की गहन जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। हादसा तब हुआ जब सीतापुर जनपद के महमूदाबाद थाना क्षेत्र निवासी इंद्रजीत वर्मा अपनी पत्नी खुशी वर्मा (18) भाभी पिंकी देवी (28) और तीन वर्षीय भतीजी के साथ बाइक से रिश्तेदारी में जा रहे थे।

डिग्री कॉलेज के चपरासी की हत्या

कैंपस के नाले में अधजला शव मिला

तमसा संकेत, एजेंसी

अलीगढ़। अलीगढ़ में टीकाराम डिग्री कॉलेज के एक चपरासी की हत्या कर दी गई। शनिवार सुबह वह घर से ड्यूटी के लिए कॉलेज आए थे। इसके बाद देर रात तक घर नहीं लौटे तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू कर दी। इसी बीच रविवार सुबह करीब 11 बजे कॉलेज परिसर के नाले में अधजला शव मिला। शव के कुछ हिस्से जल चुके थे। नाले से शव को बाहर निकालने पर लोगों ने सीपीआर देकर जान बचाने की कोशिश की, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। सूचना मिलते ही पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और साक्ष्य एकत्रित किए। इसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना क्वार्सी थाना क्षेत्र की है। युवक की पहचान धर्मेंद्र (42) के रूप में हुई है। वह रामघाट रोड स्थित केके हॉस्पिटल वाली गली में रहते थे। धर्मेंद्र टीकाराम कन्या महाविद्यालय में चपरासी थे। शनिवार को उनकी सुबह 6 बजे से ड्यूटी थी, इसलिए वह तड़के ही घर से कॉलेज के लिए निकल गए थे। देर शाम तक जब धर्मेंद्र घर नहीं लौटे तो परिजनों ने उनसे संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन फोन नहीं मिला। इसके बाद परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला।

फास्ट न्यूज

पत्नी से तलाक मिला तो 9 किमी लेटते हुए मंदिर पहुंचा

रामनगर (बस्ती)। बस्ती में पत्नी से तलाक मिलने पर 25 वर्षीय युवक ने निर्जला व्रत रखा। 'जय श्री राम' और 'जय बजरंगबली' के जयकारे लगाते हुए वह 9 किलोमीटर की दंडवत यात्रा कर 12 घंटे में समय माता के मंदिर पहुंचा। मंदिर में पहुंचकर उसने मत्था टेका, नारियल फोड़ा और विधि-विधान से पूजा-अर्चना की।

लैंडिंग से पहले फ्लाइट का इमरजेंसी गेट खोलने की कोशिश

वाराणसी। वाराणसी एयरपोर्ट पर बेंगलुरु से आ रहे इंडिगो के विमान की लैंडिंग के दौरान शनिवार रात 10:20 बजे एक यात्री ने इमरजेंसी गेट खोलने की कोशिश की। केबिन क्रू ने उसे ऐसा करते देख लिया और यात्री को रोका। इसकी जानकारी विमान के कैप्टन को दी गई। पायलट ने एहतियातन विमान को दोबारा हवा में ले जाकर एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को जानकारी दी। एटीसी ने एयरपोर्ट प्रशासन को सूचना दी। करीब 15 मिनट तक हवा में चक्कर लगाने के बाद विमान को सुरक्षित तरीके से लैंड कराया गया। लैंडिंग के बाद केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF) ने यात्री को हिरासत में ले लिया। आरोपी मोहम्मद अदनान मऊ जिले का रहने वाला है। पुलिस पूछताछ में उसने कहा कि वह गोवा घूमने गया था। पता नहीं मैंने ऐसा क्यों किया। मेरे ऊपर भूत का साया है। उसे अंदाजा नहीं था कि एक बटन दबाने से विमान का दरवाजा खुल सकता है।

सड़क हादसे में एक की मौत

फिरोजाबाद। फिरोजाबाद में रविवार को एक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग घायल हो गए। यह दुर्घटना थाना क्षेत्र के ग्राम चनौरा बाईपास रोड पर दोपहर करीब 12:10 बजे हुई, जब एक वैगनआर कार और बोलोरो मैक्स पिकअप के बीच आमने-सामने की टक्कर हो गई। जानकारी के अनुसार, वैगनआर और बोलोरो मैक्स की भिड़ंत में वैगनआर सवार पांच लोग घायल हुए।

3 साल में 45 लाख रुपए का नुकसान, अमौसी एयरपोर्ट के पास लगे हैं होर्डिंग

लखनऊ नगर निगम नहीं वसूल रहा विज्ञापन फीस

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम अमौसी एयरपोर्ट के पास लगे होर्डिंग से विज्ञापन फीस नहीं वसूल रहा है। इससे उसे 3 साल में करीब 45 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। अब इन कॉमर्शियल होर्डिंग से वसूली की तैयारी है। नई विज्ञापन गाइडलाइन आने के बाद अब नगर निगम ऐसी वसूली बढ़ाने की कोशिश में है। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने भी इसके लिए निर्देश दिए हैं। एयरपोर्ट के पास ग्राउंड पर लगी होर्डिंग और बैनर से नगर निगम वसूली करेगा। इसको लेकर अधिकारियों की बैठक भी हुई। इसमें नगर आयुक्त गौरव कुमार की तरफ से अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव से कहा गया कि जो ग्राउंड पर होर्डिंग लगी हैं, उनके जिम्मेदारों से वसूली की जाए। इसपर अपर नगर आयुक्त ने हामी भरी है। आउटडोर एडवरटाइजिंग एसोसिएशन कार्यकारिणी सदस्य अभिषेक चंद्रा ने बताया कि हम लोग प्राइवेट लैंड पर यूनीपोल बनाते थे। नगर निगम को लेटर देते थे। ये डिमांड में शामिल कर लेते थे। अब ये हर साल डिमांड में शामिल कर, इसे कैंसिल कर देते हैं। कई लोगों ने निगम को पैसा दिया तो उसे कैंसिल कर उसे दूसरे होर्डिंग में उसके एडजस्ट कर दिया।

इसका कारण पूछने पर नगर निगम की तरफ से बताया गया कि एयरपोर्ट प्रशासन से एनओसी नहीं ली गई। इसपर उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट अथारिटी से एनओसी रूफ टॉप और लाइट वाले होर्डिंगों में लेनी होती है न कि सामान्य होर्डिंग में।

एयरपोर्ट के आसपास नगर निगम के होर्डिंग लगे हैं। इन पर कब विज्ञापन लगते हैं, कब हटते हैं, न इसका पता है और न ही कोई शुल्क वसूली होती है।

एयरपोर्ट के पास 13 होर्डिंग हैं

नगर निगम की तरफ से एयरपोर्ट के पास फिलहाल 13 होर्डिंग लगाए गए हैं। इनसे पिछले तीन साल से वसूली नहीं हो पाई है। वहीं, छत पर और लाइट वाले होर्डिंग लगाने की परमिशन एयरपोर्ट के आसपास के क्षेत्र में नहीं है। इसके एनओसी विमानपत्तन प्राधिकरण की तरफ से दी जानी चाहिए। पिछले दिनों एयरपोर्ट प्रशासन की तरफ से लिखे गए पत्र में होर्डिंग से सुरक्षा की चिंता व्यक्त की गई थी। इसके बाद से अधिकारी इसकी परमिशन देने से किनारा कर रहे हैं।

कपड़े की दुकान में आग लगी

बाजार में मची अफरा-तफरी, बिल्डिंग से तीन साल के बेटे को लेकर निकलीं आरती

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर के पी रोड मार्केट में एक गारमेंट की दुकान में भीषण आग लग गई। आग लगने के बाद बाजार में अफरा-तफरी मच गई। बिल्डिंग में फंसे एक परिवार के चार लोगों ने जीने से भागकर अपनी जान बचाई, जिसमें एक तीन साल के बच्चे को गोद में लेकर उसकी मां भी बाहर निकली। पी रोड बाजार रविवार को खुला रहता है, जबकि यहां मंगलवार को बंदी होती है। दोपहर 12:40 बजे दीप गारमेंट में आग लग गई। दुकान के आसपास के दुकानदारों में हड़कंप मच गया और लोग इधर-उधर भागने लगे। जिस दुकान में आग लगी थी, वहां से भी लोग बाहर निकलकर भागे। आग इतनी भयानक थी कि उसकी लपटें दुकान के साइन बोर्ड तक पहुंच गईं। इसी तीन मंजिला बिल्डिंग में एक परिवार भी फंस गया था। परिवार के चार सदस्य दूसरी मंजिल पर रहते हैं। जब उन्हें धुआं महसूस हुआ तो वे जीने की ओर आए, लेकिन वहां भी धुआं भरा हुआ था। यह देखकर आरती पाण्डेय अपने तीन साल के बेटे अथर्व को लेकर नीचे भागीं। उनके पीछे उनके पति अमन अपनी बुजुर्ग मां अंजू पाण्डेय को लेकर नीचे आए। आरती पाण्डेय ने बताया कि उस समय उन्हें कुछ समझ नहीं आया। नीचे पहुंचने पर ही पता चला कि आग लग गई है। उन्होंने कहा कि चारों तरफ आग की लपटें थीं और किसी तरह जान बचाकर बाहर निकले। अमन पाण्डेय ने बताया कि नीचे आने पर देखा कि दीप गारमेंट के बिजली मीटर के पास से आग निकल रही थी और तेज लपटें चारों ओर फैल रही थीं। पास की कंबल की दुकान को भी खाली कराया जा रहा था। सीएफओ दीपक शर्मा ने बताया कि सूचना मिलते ही मौके पर तुरंत फायर ब्रिगेड की गाड़ियां भेजी गईं। तीन गाड़ियों ने मिलकर आग बुझाने का काम शुरू किया। इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई और आग को अन्य दुकानों तक फैलने से रोक लिया गया। दुकान मालिक नवीन कुकरेजा के अनुसार, आग से दुकान में रखा माल जलकर नष्ट हो गया। दीप गारमेंट्स के मालिक नवीन कुकरेजा और बिल्डिंग मालिक संजय कुमार पाण्डेय के बीच नोकझोंक शुरू हो गई। संजय कुमार पाण्डेय ने दुकान मालिक पर आरोप लगाया कि उनके पास आग बुझाने का कोई भी समुचित इंतजाम नहीं था और न ही अग्निशमन यंत्र (सिलेंडर) मौजूद था। इस पर दुकान मालिक ने कहा कि आग लग गई तो क्या किया जाए, नुकसान हो गया है। इस पर बिल्डिंग मालिक ने जवाब दिया कि आपने आग से बचाव की कोई व्यवस्था नहीं कर रखी थी। इसके बाद दोनों के बीच तेज आवाज में बहस और कहासुनी होने लगी।

आज से शुरू होगी पीसीएस मुख्य परीक्षा, 4 दिन चलेगी

लखनऊ और प्रयागराज के 27 केंद्रों पर 11,403 अभ्यर्थी देंगे एग्जाम

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की प्रतिष्ठित प्रशासनिक परीक्षा में शामिल होने जा रहे अभ्यर्थियों के लिए आज से मुख्य परीक्षा की शुरुआत हो रही है। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (UPPSC) की ओर से सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (PCS) मुख्य परीक्षा-2025 1 अप्रैल तक होगी। परीक्षा प्रयागराज और लखनऊ के कुल 27 केंद्रों पर आयोजित की जाएगा। 11403 अभ्यर्थी इसमें शामिल हो रहे हैं। प्रयागराज में 12 परीक्षा केंद्रों पर 4757 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे, जबकि लखनऊ में 15 केंद्रों के लिए 6646 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं। दोनों शहरों में परीक्षा केंद्रों का चयन अभ्यर्थियों की संख्या और व्यवस्थाओं को ध्यान में रखते हुए किया गया है, ताकि परीक्षा शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराई जा सके। PCS मुख्य परीक्षा दो सत्रों में आयोजित की जाएगी। पहले सत्र में सुबह और दूसरे सत्र में दोपहर बाद परीक्षा होगी। आयोग और प्रशासन की ओर से परीक्षा को नकलविहीन और पारदर्शी बनाने के लिए कड़े इंतजाम किए गए हैं। सभी केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ निगरानी के विशेष प्रबंध किए गए हैं। परीक्षा को लेकर दोनों शहरों के जिला प्रशासन और पुलिस ने अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं। केंद्रों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। साथ ही, संवेदनशील केंद्रों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। अधिकारियों को भी लगातार निगरानी के निर्देश दिए गए हैं, ताकि परीक्षा के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। आयोग की ओर से सभी अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र पर समय से पहले पहुंचने की सलाह दी गई है। इसके साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया है कि अभ्यर्थी अपने साथ प्रवेश पत्र और अन्य आवश्यक दस्तावेज अनिवार्य रूप से लेकर आएं। किसी भी प्रकार की लापरवाही उन्हें परीक्षा से वंचित कर सकती है। PCS मुख्य परीक्षा को उत्तर प्रदेश की सबसे महत्वपूर्ण प्रतियोगी परीक्षाओं में माना जाता है। इस परीक्षा के जरिए प्रदेश की प्रशासनिक सेवाओं में अधिकारियों का चयन किया जाता है।

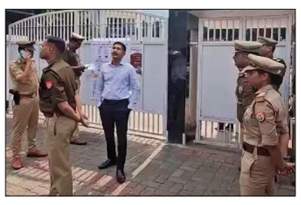

परेशानी : मुरारी लाल चेस्ट हास्पिटल से गुरुदेव चौराहे तक लगा रहा जाम, वाहनों के पहिए थमे

जाम में 1.30 घंटे एंबुलेंस फंसी, तड़पता रहा मरीज

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में जीटी रोड पर मुरारी लाल चेस्ट हास्पिटल के सामने अतिक्रमण अभियान के चलते रविवार दोपहर भीषण जाम लग गया। मुरारी लाल चेस्ट हॉस्पिटल से लेकर गुरुदेव चौराहे तक करीब 2 किमी. से भी ज्यादा लंबे जाम में वाहन रेंगते रहे। इसमें कई एंबुलेंस फंसी रही। एंबुलेंस में गंभीर रूप से बीमार बुजुर्ग रामकृष्ण को बिल्हौर से कानपुर रेफर किया गया था, डेढ़ घंटे तक जाम में मरीज तड़पता रहा और इस दौरान परिजन परेशान हो गए।आक्सीजन के सहारे महज 2 से 3 किमी. का सफर तय करने में डेढ़ घंटे से ज्यादा का समय लग गया और मरीज की जान सांसत में फंस गई। परिजन उनके हाथ-पैर को सहलाते रहे और तौलिया से पसीना पोछते रहे। एंबुलेंस सायरन बजाती रही लेकिन जाम खुलवाने वाला कोई नहीं दिखा। करीब डेढ़ घंटे बाद परिवार के लोग मरीज को मुरारी लाल चेस्ट हास्पिटल में आकर भर्ती कराया। एंबुलेंस चालक विमल यादव ने बताया कि वह मरीज को बिल्हौर सिटी हास्पिटल से लेकर आए हैं। करीब 1.30 घंटे तक जाम में फंसे रहे हैं। जाम को खुलवाने वाला कोई भी नहीं था। मरीज की हालत सीरियस थी। ऐसे स्थिति में परिजन मरीज को दिलासा देते रहे। कोई न कोई पुलिस कर्मी जाम खुलवाने के लिए अवश्य होना चाहिए। इस दो से तीन किमी. लंबे जाम में सिर्फ एक दो नहीं, कई एंबुलेंस घंटों जाम से जूझती रहीं। उधर अफसर अतिक्रमण अभियान में इतना व्यस्थ थे कि जाम की समस्या दिखाई ही नहीं पड़ी और मरीज तड़पते रहे। रावतपुर क्रॉसिंग के ठीक सामने जीटी रोड पर जीटी नर्सिंग होम, मुरारी लाल चेस्ट हॉस्पिटल, कॉर्डियोलॉजी हॉस्पिटल, जेके कैंसर हॉस्पिटल, जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज, हैलट अस्पताल, जच्चा-बच्चा हॉस्पिटल है। जीटी रोड से ही होकर इन अस्पतालों में मरीज पहुंचते हैं। इस वजह से जाम में कई एंबुलेंस फंसी रही और भारी फोर्स सिर्फ तमाशबीन बना रहा। अतिक्रमण अभियान के दौरान करीब पांच घंटे से मरीजों को इसी तरह से जाम से जूझना पड़ा।

दुकानें गिराने में व्यस्त रहे अफसर

जाम की वजह की बात करें तो कार्डियोलाजी के बाहर अतिक्रमण हटवाने को लेकर खड़ी जेसीबी व अन्य वाहनों की वजह रास्ता संकरा हुआ और जाम लग गया। अतिक्रमण हटवाने व दुकानें गिराने के लिए तो कई थानों का फोर्स व अधिकारी मुस्तैद रहे लेकिन जाम हटवाने के लिए कोई भी आगे नहीं आया। कार्डियोलाजी के बाहर ट्रैफिक व्यवस्था दुरुस्त कराकर अपनी पीठ थपथपाते रहे। जाम में करीब कार, बस, मोटरसाइकिल व कामर्शियल समेत सैकड़ों वाहन फंसे रहे।

जाम के कारण थम गए वाहनों के पहिए।

पृष्ठ 01 का शेष...

ट्रम्प के खिलाफ ...

कई जगहों पर लोगों ने ट्रम्प और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के खिलाफ पोस्टर दिखाए और उन्हें पद से हटाने की मांग की। ट्रम्प के खिलाफ अब तक राष्ट्रीय स्तर पर 3 बार नो किंग्स प्रदर्शन हो चुके हैं। पहला बड़ा प्रदर्शन जून 2025 में आयोजित किया गया। इसके बाद अक्टूबर 2025 में दूसरा प्रोटेस्ट हुआ। जबकि तीसरा प्रोटेस्ट 28 मार्च यानी कल हुआ। व्हाइट हाउस ने इन प्रदर्शनों को 'थेरेपी सेशन' बताते हुए कहा कि आम लोगों को इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ता। वहीं ट्रम्प का कहना है कि उनके फैसले देश को मजबूत बनाने के लिए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वे 'राजा' नहीं हैं और उनके खिलाफ लगाए जा रहे आरोप गलत हैं। सिर्फ अमेरिका ही नहीं, बल्कि दुनिया के दूसरे हिस्सों में भी ट्रम्प के खिलाफ नाराजगी देखने को मिली है। पेरिस, लंदन और लिस्बन जैसे शहरों में भी लोगों ने सड़कों पर उतरकर ट्रम्प के खिलाफ प्रदर्शन किया और उन्हें पद से हटाने की मांग की।

होर्मुज संकट ...

हालांकि अब कुछ जहाज सुरक्षित निकलने लगे हैं। इससे पहले चार भारतीय टैंकर भी सुरक्षित भारत पहुंच चुके हैं। पाइन गैस और जग वसंत करीब 92,612 टन गैस लेकर 26 से 28 मार्च के बीच भारत पहुंचे। वहीं, एमटी शिवालिक और एमटी नंदा देवी भी इससे पहले गुजरात के मुंद्रा और कांडला बंदरगाह पहुंच चुके हैं। इससे देश में गैस सप्लाई को बड़ी राहत मिली है। भारत अपनी करीब 60 प्रतिशत रसोई गैस जरूरत आयात से पूरी करता है। देश में पिछले साल 33.15 मिलियन टन एलपीजी की खपत हुई। इसमें से करीब 90 प्रतिशत गैस पश्चिम एशिया से आती है। ऐसे में होर्मुज रास्ता बंद होने का सीधा असर भारत की सप्लाई पर पड़ता है। अब भारत अमेरिका और अर्जेंटीना जैसे देशों से भी गैस मंगा रहा है। सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी 10 रुपये प्रति लीटर घटा दी है। वहीं डीजल और एटीएफ पर निर्यात शुल्क बढ़ाया गया है। गैस सेक्टर में घरों और ट्रांसपोर्ट को 100 प्रतिशत सप्लाई दी जा रही है। उद्योगों को सीमित गैस दी जा रही है। साथ ही पीएनजी कनेक्शन तेजी से बढ़ाए जा रहे हैं, ताकि एलपीजी पर दबाव कम हो। सरकार ने साफ कहा है कि देश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। रोजाना 55 लाख से ज्यादा सिलेंडर की डिलीवरी हो रही है। हालांकि अफवाहों के कारण कुछ जगहों पर भीड़ देखी गई। सरकार ने लोगों से अपील की है कि वे घबराकर खरीदारी न करें और अफवाहों पर भरोसा न करें। सरकार के अनुसार, अभी भी 18 भारतीय जहाज और 485 नाविक पश्चिमी फारस की खाड़ी में मौजूद हैं। कुछ जहाज अभी भी होर्मुज के पास हैं और हालात सामान्य होने का इंतजार कर रहे हैं। डीजी शिपिंग लगातार 24 घंटे काम कर रहा है और अब तक 900 से ज्यादा नाविकों को सुरक्षित वापस लाया जा चुका है। देश के सभी बंदरगाहों पर काम सामान्य बना हुआ है।

प्रतिमा से जाट...

हालांकि ये हंगामा कार्यक्रम खत्म होने के बाद हुआ। भगवंत सिंह मान समेत तमाम नेता वापस जा चुके थे। इससे पहले पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह और राजस्थान के नागौर से सांसद हनुमान बेनिवाल सकौती के हितकारी इंटर कॉलेज पहुंचे। उन्हें महाराजा सूरजमल की प्रतिमा अनावरण करना था। जैसे ही भगवंत मान प्रतिमा का अनावरण करने जाने लगे, तभी भीड़ टूट पड़ी। इससे भगवंत मान आगे नहीं बढ़ पाए। वह बिना अनावरण के ही वापस लौटे। भगवंत मान के जाने के बाद मुजफ्फरनगर से पूर्व केंद्रीय मंत्री, भाजपा नेता संजीव बालियान ने महाराज सूरजमल की प्रतिमा का अनावरण किया। संसद में यूपी समेत 5 राज्यों से हजारों लोग पहुंचे। NH-58 पर ट्रैक्टरों पर लोग ढोल-नगाड़े बजाते हुए चलते रहे। पीछे गाड़ियों की लंबी कतार लगी रही। 2000 से अधिक ट्रैक्टरों से लोग पहुंचे। पंडाल में लगाई गईं 10 हजार कुर्सियां फुल हो गईं। काफी संख्या में लोग बाहर खड़े रहे। सुरक्षा व्यवस्था सही न होने के कारण हमारे मुख्य अतिथि मूर्ति का अनावरण भी नहीं कर पाए। इसके बाद इस शब्द को लेकर विवाद भी प्रशासन द्वारा ही कराया गया। हमने प्रशासन को 15 दिन का समय दिया है। अगर हमारी मांग पूरी नहीं होती तो 16वें दिन समस्त जाट बिरादरी का जो निर्णय होगा। उसी के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन को पता नहीं जाट राजा सूरजमल जी और जाट बिरादरी से क्या परेशानी है? ये यूपी की सबसे बड़ी प्रतिमा थी। दुनियाभर से जाट बिरादरी के लोग यहां पहुंचे थे।

नेपाल सरकार...

इनकी जगह सरकार 90 दिनों के भीतर 'स्टूडेंट काउंसिल' या 'वॉयस ऑफ स्टूडेंट्स' जैसे नए प्लेटफॉर्म शुरू करेगी, जो पूरी तरह गैर-राजनीतिक होंगे और सिर्फ छात्रों की समस्याओं पर काम करेंगे। सरकार ने साफ कहा है कि अब स्कूल और कॉलेज राजनीति के अड्डे नहीं होंगे, बल्कि सिर्फ पढ़ाई के लिए काम करेंगे। लंबे समय से शिक्षा संस्थानों में चल रही राजनीतिक दखल को खत्म करने के लिए यह कदम उठाया गया है। छात्रों के लिए कुछ और अहम बदलाव भी किए गए हैं। अब ग्रेजुएशन तक पढ़ाई के लिए नेपाली नागरिकता जरूरी नहीं होगी, ताकि दस्तावेजों की कमी के कारण किसी की पढ़ाई न रुके। सरकार ने यह भी निर्देश दिया है कि जिन स्कूलों और कॉलेजों के नाम विदेशी हैं।

युवक को पीटकर मार डाला, जबरिया खींचकर ले गए

वाराणसी में परिजन बोले- गो तस्कर ने मुखबिरी के शक में हत्या की

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में दबंगों ने एक युवक को पीटकर मार डाला। शनिवार रात में बाइक से 8-9 युवक पहुंचे। युवक घर से निकला तो जबरिया उसे खींचकर बाइक पर बैठा लिए और अपने साथ लेते गए। गांव के बाहर करीब एक किलोमीटर दूर एक पुलिया के पास बेरहमी से पिटाई की। पीछा करते हुए परिजन पहुंचे तो युवक अधमरी हालत में पड़ा था। गंभीर हालत में उसे हेरिटेज अस्पताल लाया गया लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। यह घटना रोहनिया पंडितपुर क्षेत्र की है। युवक की पहचान गांव के रहने वाले सानू अली के रूप में हुई है। मृतक के ताऊ ने कहा- आरोपी युवक पहले गो तस्करी के मामले में जेल जा चुका है। उसे शक था कि सोनू ने ही मुखबिरी कर उसे पकड़वाया था। इसी रंजिश के चलते उसने अपने साथियों के साथ मिलकर हत्या की है। पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कर ली है। रोहनिया पंडितपुर का रहने वाला सानू अली (17) राजमिस्त्री का काम करता था। वह 3 भाई-बहनों में सानू सबसे बड़ा था। पिता की कुछ साल पहले मौत हो गई। पिता की मौत के बाद सानू पर ही घर की सारी जिम्मेदारियां थीं। ताऊ अख्तर अली ने कहा- शनिवार रात नौ बजे के आसपास बबलू नामक युवक अपने कुछ साथियों के साथ पहुंचा। सानू से बबलू ने कहा- तुमने मेरा मोबाइल चोरी किया है, उसे वापस दो। सानू ने इनकार किया तो वे लोग हंगामा करने लगे।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं है।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676